RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
# चेतना मंच

पेज 7
रणवीर सिंह की फिल्म में दिखेंगी श्रीलाला

वर्ष : 27 अंक : 218 website:www.chetnamanch.com नोएडा, सोमवार, 28 जुलाई, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

# प्रेम संबंधों से नाराज पिता ने दबाया बेटी का गला खुद भी लगाई फांसी

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** ग्रेटर नोएडा के कासना थाना क्षेत्र के सिरसा गांव में एक पिता ने अपनी बेटी के प्रेम प्रसंग से नाराज होकर खौफनाक कदम उठाया है। पिता ने पहले अपनी बेटी की हत्या की फिर खुद फांसी पर लटककर अपनी जान दे दी। पिता के द्वारा उठाए गए इस खौफनाक कदम से परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस ने दोनों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिये हैं।

एडीसीपी ग्रेटर नोएडा सुधीर कुमार ने बताया कि थाना कासना पर डॉयल-112 के माध्यम से एक व्यक्ति द्वारा फांसी लगाने की सूचना मिली। सूचना पर थाना प्रभारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे तो एक व्यक्ति फांसी से लटका हुआ है तथा एक युवती का शव पास में पड़ा हुआ है। पुलिस द्वारा जानकारी की गई तो ज्ञात हुआ कि एक व्यक्ति अशोक कुमार पुत्र पातीराम निवासी वाजिदपुर, थाना जगनेर, आगरा द्वारा कासना क्षेत्र के अंतर्गत सिरसा नई कॉलोनी में स्वयं का मकान बनाकर रह रहे थे। परिजनों से पूछताछ करने पर प्रकाश में आया कि अशोक कुमार द्वारा अपनी बेटी संजना के किसी लड़के के साथ प्रेम प्रसंग के चलते उसकी हत्या कर स्वयं को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली गई है। मृतकों के शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

जानकारी मिली है कि पिता और पुत्री दोनों एक ही कंपनी में काम करते थे। जहां पिता को लड़की के प्रेम संबंध के बारे में पता चला। जानकारी के मुताबिक जब पिता ने अपनी बेटी की हत्या की तो अन्य परिजन रात में छत पर सो रहे थे। पुलिस द्वारा सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

## ऑपरेशन सिंदूर पर 'महाबहस' से पहले हंगामा

### लोकसभा में 16 घंटे की चर्चा शुरू होते ही विपक्ष की नारेबाजी

**नई दिल्ली ( एजेंसी )** संसद में आज लोकसभा में 12 बजे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर महाबहस की शुरुआत करनी थी। लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण चर्चा शुरू नहीं हो सकी है। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर 16 घंटे चर्चा होनी है। इस मुददे पर चर्चा के लिए कांग्रेस व भाजपा के कई दिग्गज नेताओं के नाम शामिल किए गए हैं। लोकसभा में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की शुरुआत होनी थी. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को संसद में इस महाबहस की शुरुआत करनी थी, लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण ऐसा नहीं हो सका। स्पीकर ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही एक बजे तक के लिए स्थगित कर दी है।

बीजेपी की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बाद तेजस्वी सूर्या और बैजयंत पांडा के नाम भी वक्ताओं की लिस्ट में हैं. वहीं, कांग्रेस की ओर से गौरव गोगोई पहले वक्ता होंगे। प्रियंका गांधी का नाम भी वक्ताओं की लिस्ट में है. कांग्रेस ने अपने लोकसभा सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी कर सदन में मौजूद रहने के लिए कहा है। सपा सांसद अखिलेश यादव भी इस मुददे पर बोलेंगे।

दोपहर 12.00 बजे जब लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई तो विपक्ष ने हंगामा किया। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला विपक्ष के हंगामे पर भड़क गए. स्पीकर ने कहा कि आप प्रश्नकाल क्यों नहीं चलने देना चाहते. ये सदन का महत्वपूर्ण समय होता है।

ओम बिरला ने वेल में आकर हंगामा कर रहे विपक्षी सदस्यों को चेतावनी देते हुए कहा कि तरीका ठीक रखिए, ये सदन है। आपको ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करनी है या नहीं, करनी है तो अपनी सीट पर जाइए। विपक्ष के सदस्य वेल में जमे रहे। इस पर स्पीकर ने कहा कि कोई भी मुद्दा वेल में उठाने से चर्चा नहीं होगी। सदन में नियम प्रक्रिया है. बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में तय होता है और उसके बाद सदन में चर्चा होती है। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा शुरू नहीं हो सकी और स्पीकर ने सदन की कार्यवाही एक बजे तक स्थगित कर दी। केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि फैसले के बाद बवाल करना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चर्चा से भाग रही है। दो महीने से विपक्ष चर्चा की मांग कर रहा है, लेकिन आज चर्चा शुरू होने से 10 मिनट पहले विपक्ष ने नई शर्त रख दी जो गलत है।

## युवक की जेब में मिले 9 एमएम के कारतूस

**नोएडा ( चेतना मंच )।** थाना सेक्टर-142 पुलिस ने एक युवक को प्रतिबंधित कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है। युवक के पास से 9 एमएम के तीन कारतूस बरामद हुए हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम सेक्टर-137 मेट्रो कट के पास चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पैदल आ रहा एक युवक पुलिस को देखकर सकपका कर मुड़कर वापस जाने लगा। संदेह के आधार पर पुलिसकर्मियों ने युवक को रोक लिया और उसकी तलाशी ली। तलाशी में युवक की पेंट से 9 एम एम के 3 कारतूस बरामद हुए। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

## ऑनलाइन फ्रॉड के बड़े नेटवर्क का खुलासा

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** नोएडा ग्रेटर नोएडा में ऑनलाइन फ्रॉड के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। ऑनलाइन फ्रॉड करने वाले गैंग ने बाकायदा एक कंपनी बनाई और जल्द करोड़पति बनाने का लालच देकर आम नागरिकों से मोटी रकम इन्वेस्ट करवाई। रकम मिलने के बाद कंपनी ने सारा पैसा हड़प लिया। इस पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए थाना ईकोटेक वन पुलिस ने आठ आरोपियों

करोड़पति बनाने का दिखाते थे सपना

को गिरफ्तार किया है। ग्रेटर नोएडा जॉन के एडीसीपी सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि प्रवीण कुमार पाल ने थाने में अपने चचेरे भाई **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

## बेटी के साथ जा रही थी माँ, क्रेन ने कुचला

### सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में महिला सहित तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों के परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मूल रूप से मध्य प्रदेश की रहने वाली तारा अपने परिवार के साथ सेक्टर-62 में रह रही थी। 25 जुलाई की दोपहर को तारा अपनी बेटी सुनैना के साथ घर वापस आ रही थी। सेक्टर-62 मेट्रो स्टेशन के नीचे वह रोड क्रॉस कर रही थी इस दौरान तेज गति में आ रही क्रेन के चालक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगने से तारा सड़क पर गिर गई और क्रेन का पिछला पहिया उसके ऊपर से उतर गया। हादसे के बाद क्रेन चालक मौके से फरार हो गया सुनैना ने इसकी सूचना परिजनों को दी। मौके पर पहुंचे परिजन पुलिस कर्मियों ने तारा को उपचार के लिए **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

## हापुड़ में कुख्यात डब्लू यादव मुठभेड़ में ढेर

### बिहार-यूपी में था आतंक, बिहार में गैंग था सक्रिय

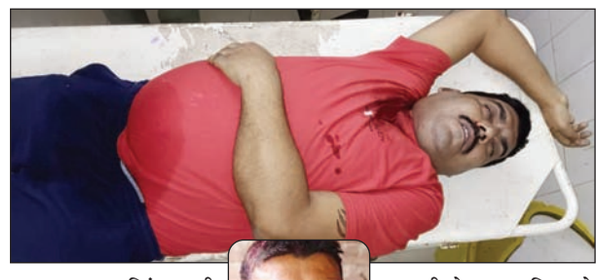

**हापुड़।** सिंभावली पुलिस, नोएडा एसटीएफ और बिहार एसटीएफ के रविवार रात साझा ऑपरेशन में 50 हजार के इनामी बदमाश डब्लू यादव उर्फ सूरज यादव को मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया। बदमाश के पास से पुलिस ने एक बाइक, कार्बाइन तथा तमंचा बरामद किया है। बदमाश के खिलाफ करीब दो दर्जन से अधिक संगीन धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। वह पिछले काफी समय से फरार चल रहा था। विभिन्न जनपदों की पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। सीओ वरुण मिश्रा ने बताया कि रविवार की दिन रात को सिंभावली पुलिस क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान यूपी नोएडा की एसटीएफ और बिहार की एसटीएफ टीम द्वारा थाने पर आकर सूचना दी गई की बिहार के जनपद बेगूसराय के थाना साहेबपुर कमाल के गांव ज्ञानडोल निवासी डब्लू यादव पुत्र सूर्य नारायण यादव उर्फ सूरज यादव क्षेत्र में किसी आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने के लिए घूम रहा है। उस पर 50 हजार का इनाम भी घोषित है। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

## सीएम की चौखट तक पहुंचा झुग्गीवासियों का मामला

### 12 अगस्त को नोएडा प्राधिकरण पर होगा धरना प्रदर्शन

**नोएडा ( चेतना मंच )।** नोएडा प्राधिकरण के उत्पीड़न तथा लापरवाही के शिकार झुग्गीवासियों की शिकायत अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चौखट पर पहुंच गई है।

आज झुग्गीवासियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री कार्यालय में जाकर अपनी शिकायत रखीं। यह जानकारी झुग्गी-झोपड़ी सेवा उत्थान समिति संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष उदय सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात तो नहीं हो सकी। लेकिन औद्योगिक विकास विभाग के राज्यमंत्री तथा प्रमुख सचिव से मुलाकात की तथा उनको अपना ज्ञापन दिया। प्रमुख सचिव ने अश्वासन दिया कि वह प्राधिकरण के सीईओ को पत्र भेज रहे हैं। उनके आवंटन निरस्तीकरण की कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी और ना ही नोटिस अब भेजे जाएंगे। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि वह नोएडा जाकर प्राधिकरण के सीईओ से मिले। इस मौके पर समिति के सचिव इंद्र बहादुर सिंह तथा संगठन सचिव बीरेंद्र जैन मौजूद थे।

कल सेक्टर-122 के ईडब्ल्यूएस के बारातघर में सैकड़ों झुग्गीवासियों ने बैठक की। बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा युवा कांग्रेस के **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

## ऑपरेशन लंगड़ा : रात के अंधेरे में ताबड़तोड़ एनकाउंटर

### 24 घंटे में पांच बदमाश मुठभेड़ में लंगड़े, 3 बदमाश गिरफ्तार

***चेतना मंच ।*** *गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के नेतृत्व में पुलिस बदमाशों पर कहर बनकर टूट रही है। आए दिन हो रही मुठभेड़ में शातिर बदमाश लंगड़े होकर जेल पहुंच रहे हैं। बीते 24 घंटे के दौरान अलग-अलग स्थान पर हुए 4 एनकाउंटर में पांच बदमाश पुलिस की गोली का शिकार बने हैं। पुलिस की गोली बदमाशों के पैर में लगी है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने पांच घायल सहित आठ बदमाशों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में पकड़े गए बदमाश स्नैचिंग, लूट व चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे।*

### चेन स्नेचर मुठभेड़ में घायल

**नोएडा ( चेतना मंच )।** थाना सेक्टर-24 पुलिस ने बीती रात्रि वाहन चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़ के बाद एक शातिर अंतर्राज्यीय चेन स्नैचर को गिरफ्तार किया है। नोएडा जोन के एडीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि थाना प्रभारी विद्युत गोयल पुलिस टीम के साथ सेक्टर 11 में चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान सेक्टर 56 की तरफ से बाइक पर आ रहे **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

### झारखंड व प. बंगाल के बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

**नोएडा ( चेतना मंच )।** चोरी व लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले दो बदमाशों को थाना फेस-2 पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में भी गोली लगी है।

सेंट्रल जोन के एडीसीपी ह्रदेश कठेरिया ने बताया कि थाना फेज दो पुलिस द्वारा नया गांव के तिराहे पर चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

### टायर चुराने वाले गिरोह के साथ मुठभेड़

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** सेक्टरों व घरों के बाहर खड़ी लग्जरी गाड़ियों के टायर चोरी करने वाले गिरोह की थाना बीटा-2 पुलिस के साथ मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में दो बदमाश घायल हो गए जबकि कांबिंग के दौरान दो अन्य बदमाशों को भी पुलिस ने दबोच लिया। इनके पास से तमंचा, कारतूस,चाकू, वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट कार, विभिन्न कारों के 20 पहिए, **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

### मुठभेड़ में शातिर बदमाश लंगड़ा

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** थाना बिसरख पुलिस ने भी मुठभेड़ के बाद आज तड़के एक अंतर्जनपदीय शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। इसके पास से तमंचा, कारतूस, चोरी के मोबाइल फोन व नगदी बरामद हुई है।

सेंट्रल जोन के एडीसीपी ह्रदेश कठेरिया ने बताया कि थाना प्रभारी मनोज **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

## यात्रा का जोखिम

हाल के दिनों में हवाई उड़ान को लेकर तमाम ऐसी खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती रही हैं कि जिससे आम लोगों के मन में हवाई यात्रा को लेकर असुरक्षा बोध पनपा है। यह स्वाभाविक है क्योंकि हवाई यात्रा के साथ तमाम तरह के जोखिम जुड़े हैं। गत बारह जून को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया के भयावह विमान हादसे के बाद, जिसमें 260 लोग मारे गए थे, भारत का नागरिक उड्डयन क्षेत्र गहन जांच के घेरे में है। यद्यपि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में कई तरह की व्याख्याएं और निष्कर्ष सामने आ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद आम धारणा यही है कि भारत की हवाई यात्रा व्यवस्था में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। हाल ही में हुए एक राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन सर्वेक्षण में लगभग 76 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि भारत में कई एयरलाइनें यात्रियों की सुरक्षा की तुलना में प्रचार पर ज़्यादा धन खर्च कर रही हैं। निस्संदेह यह गलत प्राथमिकताओं का एक ज्वलंत प्रसंग है, जो यही दर्शाता है कि हवाई यातायात व्यवस्था को पारदर्शी व जवाबदेह बनाने की सख्त जरूरत है। यह भी कि यात्रियों की सुरक्षा और कुशल हवाई संचालन में किसी चूक के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति सख्ती से अपनाई जानी चाहिए। निस्संदेह इस बाबत सख्त कार्रवाई कुशल व सुरक्षित हवाई यातायात का मार्ग सुनिश्चित करेगी। विडंबना यह है कि हमने विगत के हवाई हादसों से कोई गंभीर सबक नहीं सीखे। 'सब चलता है' की नीतियां ही क्रियान्वित होती रही हैं। एक के बाद एक हादसों के लिए जांच आयोग तो कई बैठे, लेकिन सुधार के प्रयास तार्किक परिणति तक नहीं पहुंचे। हमारी राजनीतिक अक्षमताएं और निगरानी करने वाले संस्थानों में राजनीतिक हस्तक्षेप से अनुभवहीन लोगों को बैठाना भी हवाई परिचालन में अव्यवस्था का सबब बना। जिसके चलते हमारी हवाई व्यवस्था असुरक्षा के भय से मुक्त न हो पा रही है। साथ ही हमारी हवाई सेवाएं वैश्विक मानकों की कसौटी पर खरी न उतर पायीं। जिसका खमियाजा देश के हवाई यात्री भी भुगत रहे हैं। निस्संदेह विश्व की चौथी आर्थिक शक्ति बने भारत में नागरिक सेवाओं में यह गुणवत्तापूर्ण झलक नजर आनी चाहिए। यह गुणवत्ता विदेशी निवेशकों के लिए भी जरूरी है लेकिन फिलहाल हमारा नागरिक सेवाओं के प्रति अपेक्षित भरोसा नहीं बन पा रहा है। उल्लेखनीय है कि नागरिक सहभागिता मंच, लोकल सर्किल्स द्वारा किए गए सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि सर्वे में शामिल 64 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक बार उन्होंने कठिन उड़ान का अनुभव किया था, जिसमें टेकऑफ़, लैंडिंग या उड़ान के दौरान कठिन परिस्थितियां शामिल थीं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने सोमवार को इस चिंताजनक स्थिति का सारांश प्रस्तुत किया, जिसमें राज्यसभा को बताया गया कि पिछले छह महीनों में पांच 'पहचाने गए' सुरक्षा उल्लंघनों के संबंध में एयर इंडिया को नौ कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। यह वास्तव में एक उल्लेखनीय दिन था जिस दिन संसद में विमानन सुरक्षा का ज्वलंत मुद्दा गूंजा - उसी दौरान एक विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से भटक गया, दूसरे ने आपातकालीन लैंडिंग की, एक विमान की बाहरी खिड़की का फ्रेम हवा में ही टूट गया, और एक उड़ान का टेकऑफ़ तकनीकी खराबी के कारण अंतिम समय में रद्द कर दिया गया। सौभाग्य से, इन घटनाओं में किसी की जान या अंग की हानि नहीं हुई, लेकिन यात्रियों के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से ठेस पहुंची। अब समय आ गया है कि विभिन्न एयरलाइंस कंपनियां यह समझें कि सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। लेकिन यदि प्रचार अभियानों के ज़रिए ज़्यादा से ज़्यादा यात्रियों को हवाई यात्रा के लिए आकर्षित करने की कवायद के बीच हवाई सुरक्षा से जुड़ी बुनियादी बातों को नज़रअंदाज़ कर दिया गया, तो ये तमाम लुभावनी कोशिशें नाकाम हो सकती हैं। निस्संदेह यात्रियों को हर योजना में प्राथमिकता का स्थान मिलना चाहिए; उनकी सुरक्षा को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। और जब भी कोई एयरलाइंस सुरक्षा प्रोटोकॉल में किसी तरह की कोताही बरते, विमानन नियामक को तुरंत सख्त कार्रवाई करनी ही चाहिए।

# भाजपा और द्रमुक में खींचतान?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्राओं में एक स्पष्ट रणनीतिक और सांस्कृतिक संदेश छिपा हुआ होता है। ऐसा ही संदेश प्रधानमंत्री की तमिलनाडु यात्रा में भी छिपा है। हम आपको याद दिला दें कि इस साल अप्रैल में श्रीलंका से लौटते समय प्रधानमंत्री सीधे रामेश्वरम पहुँचे थे और अब मालदीव से लौटते समय सीधे तमिलनाडु के तूतीकोरिन और त्रिची आ रहे हैं, जहाँ वह चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की जयंती उत्सव और आदि तिरुवाथिरै महोत्सव में भाग लेंगे। यह यात्रा केवल धार्मिक या सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उपस्थिति भर नहीं है, बल्कि तमिलनाडु और दक्षिण भारत की राजनीति में एक बड़ा संकेत है।

सबसे पहले रामेश्वरम की बात करें तो आपको बता दें कि यह स्थल रामायण और श्रीराम से जुड़ा है जोकि धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व रखता है। प्रधानमंत्री का वहां जाना दक्षिण भारत में हिंदू आस्था के प्रमुख केंद्रों को सशक्त करने का प्रयास माना गया। वहीं त्रिची में चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की जयंती उत्सव में प्रधानमंत्री की उपस्थिति तमिल गौरव और चोल इतिहास को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने का संदेश देती है। यह दिखाता है कि केंद्र सरकार तमिल संस्कृति और इतिहास को भारतीय सभ्यता के अभिन्न अंग के रूप में प्रस्तुत कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्राएँ यह संदेश देती हैं कि तमिलनाडु का इतिहास और संस्कृति राष्ट्रीय गौरव का हिस्सा है, न कि उससे अलग। चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम जैसे ऐतिहासिक नायकों को राष्ट्रीय विमर्श में लाना, डीएमके के तमिल गौरव के नैरेटिव को चुनौती देने की कोशिश भी है। इसके अलावा, त्रिची यात्रा के साथ-साथ प्रधानमंत्री तमिलनाडु के तूतीकोरिन में ?4,800 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी कर रहे हैं। इससे यह संदेश जाता है कि सांस्कृतिक गौरव और आर्थिक प्रगति एक-दूसरे के पूरक हैं। भाजपा इस संतुलन को दिखाकर तमिलनाडु की जनता को यह विश्वास दिलाना चाहती है कि केंद्र सरकार क्षेत्रीय विकास और सांस्कृतिक सम्मान दोनों पर ध्यान दे रही है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री गंगैकोंडाचोलपुरम में सम्राट राजेन्द्र चोल प्रथम की जयंती मनाने और आदि तिरुवाथिरै महोत्सव में शामिल होने के साथ ही राजेन्द्र चोल प्रथम पर एक स्मारक सिक्का जारी करेंगे। यह समारोह चोल साम्राज्य की समुद्री विजय के 1000 वर्ष पूरे होने और गंगैकोंडाचोलपुरम मंदिर के निर्माण की स्मृति में आयोजित हो रहा है।

जहां तक यह सवाल है कि क्यों डीएमके और बीजेपी चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम को लेकर आमने-सामने हैं तो आपको बता दें कि भारतीय राजनीति में इतिहास और प्रतीकों का इस्तेमाल नया नहीं है। लेकिन यहां असली सवाल यह है कि आखिर एक हज़ार वर्ष पूर्व के इस महान चोल सम्राट के नाम और योगदान को लेकर इतनी खींचतान क्यों? सवाल यह भी है कि इसके राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मायने क्या हैं?

***सबसे पहले रामेश्वरम की बात करें तो आपको बता दें कि यह स्थल रामायण और श्रीराम से जुड़ा है जोकि धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व रखता है। प्रधानमंत्री का वहां जाना दक्षिण भारत में हिंदू आस्था के प्रमुख केंद्रों को सशक्त करने का प्रयास माना गया।***

हम आपको बता दें कि राजेन्द्र प्रथम चोल साम्राज्य के सबसे शक्तिशाली शासकों में गिने जाते हैं। राजेन्द्र प्रथम (1014-1044 ई.) को दक्षिण भारत का सबसे महान समुद्री विजेता माना जाता है। उन्होंने श्रीलंका, मालदीव, बर्मा (म्यांमार), थाईलैंड और कंबोडिया तक अपना प्रभाव बढ़ाया। गंगा जल लेकर चोल राजधानी में अभिषेक करने वाली उनकी उपलब्धि उन्हें गंगैकोंडा चोल की उपाधि दिलाती है। उनके शासनकाल में प्रशासनिक, सांस्कृतिक और समुद्री व्यापारिक नेटवर्क का जबरदस्त विस्तार हुआ। इसके अलावा, राजेन्द्र प्रथम केवल सैन्य शक्ति का प्रतीक नहीं थे, बल्कि सांस्कृतिक और स्थापत्य कला के भी बड़े संरक्षक थे। तंजावुर और गंगैकोंडाचोलपुरम के भव्य मंदिर उनकी धार्मिक सहिष्णुता और स्थापत्य कौशल को दर्शाते हैं। गंगैकोंडाचोलपुरम मंदिर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है और तमिल शैव भक्ति परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र है।

देखा जाये तो डीएमके के लिए राजेन्द्र प्रथम तमिल गौरव और द्रविड़ संस्कृति के प्रतीक हैं। पार्टी लंबे समय से यह तर्क देती रही है कि तमिल सभ्यता का इतिहास बेहद समृद्ध है और इसे उत्तर भारत केंद्रित ऐतिहासिक आख्यानों में दबा दिया गया। डीएमके चाहती है कि तमिल लोगों को यह एहसास हो कि उनके पूर्वजों ने समुद्र पार साम्राज्य खड़ा किया था। इसके अलावा डीएमके इस विषय को ब्राह्मणवादी इतिहास लेखन के प्रतिरोध के रूप में भी प्रस्तुत करती है। द्रविड़ आंदोलन के सामाजिक न्याय और जातिगत असमानताओं को चुनौती देने के एजेंडे के साथ, राजेन्द्र प्रथम का तमिल गौरव पार्टी के राजनीतिक विमर्श में मजबूती से फिट बैठता है।

दूसरी ओर, बीजेपीकी रणनीति थोड़ी अलग है। पार्टी राजेन्द्र प्रथम को हिंदू साम्राज्यवादी शक्ति के रूप में प्रस्तुत कर रही है, जिसने विदेशी ताकतों को परास्त कर भारत की सीमाओं के बाहर भी हिंदू प्रभाव फैलाया। यह नैरेटिव बीजेपीकी व्यापक सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की सोच से जुड़ता है। इसके अलावा बीजेपीतमिलनाडु में अपनी जड़ें मजबूत करना चाहती है, जहां अब तक उसकी उपस्थिति सीमित रही है। डीएमके के तमिल गौरव को चुनौती देने के लिए बीजेपीऐतिहासिक नायकों को हिंदुत्व के चश्मे से प्रस्तुत कर रही है। इससे उसे तमिलनाडु में सांस्कृतिक जुड़ाव बनाने का अवसर मिलता है।

दोनों दलों की खींचतान के निहितार्थ पर गौर करें तो डीएमके तमिल पहचान और द्रविड़ गौरव पर जोर देती है, जबकि बीजेपीहिंदू पहचान और राष्ट्रीय गौरव पर। इसके अलावा, यह लड़ाई केवल अतीत की स्मृतियों की नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए इतिहास को परिभाषित करने की भी है। यह भी देखने में आ रहा है कि बीजेपीदक्षिण भारत में पैर जमाने के लिए क्षेत्रीय प्रतीकों को अपनाने की रणनीति पर काम कर रही है, जबकि डीएमके इस क्षेत्रीय अस्मिता को बचाने की कोशिश में है।

चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की विरासत पर चल रही यह खींचतान बताती है कि इतिहास केवल अतीत का विषय नहीं है, बल्कि वर्तमान की राजनीति का हथियार भी बनता है। डीएमके और बीजेपीदोनों ही राजेन्द्र प्रथम को अपने-अपने वैचारिक ढांचे में फिट करने की कोशिश कर रहे हैं। यह संघर्ष आने वाले समय में तमिलनाडु की राजनीति को और अधिक वैचारिक और सांस्कृतिक बहसों से भर देगा।

बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तूतीकोरिन से गंगैकोंडाचोलपुरम तक का यह दौरा विकास और सांस्कृतिक प्रतीकवाद का एक संतुलित उदाहरण है। एक ओर वे दक्षिण तमिलनाडु को बड़ी बुनियादी परियोजनाओं का तोहफा दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर तमिल इतिहास और पहचान के सबसे गौरवशाली अध्यायों में से एक, चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की स्मृति को सम्मानित कर रहे हैं। यह कदम तमिलनाडु की राजनीति में भाजपा की पकड़ मजबूत करने और क्षेत्रीय अस्मिता को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक प्रयास माना जा सकता है।

**-नीरज कुमार दुबे**

# 5 हजार सरकारी स्कूल बंद करके, विश्व गुरु बनेगा भारत?

उत्तर प्रदेश में 5000 सरकारी स्कूलों को बंद करने के खिलाफ हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। याचिका में कहा गया कि सरकार के इस कदम से राज्य में तीन लाख पचास हजार से ज्यादा छात्रों को निजी स्कूलों में दाखिला लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास की नींव होती है। एक मजबूत शिक्षा प्रणाली एक कुशल कार्यबल, नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है।

चूँकि इस देश में प्राथमिक शिक्षा को राजनीतिक एजेंडे में कोई प्राथमिकता नहीं दी जाती, इसलिए दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला यह देश अभी भी निरक्षरता और खराब शिक्षा से जूझ रहा है। हाल ही में प्रकाशित आठवीं इंडिया स्किल रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे देश में, जहाँ धर्म और धार्मिक पहचान जनता और सरकार दोनों के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं, 50 प्रतिशत से ज्यादा स्नातकों का रोज़गार के योग्य न होना कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

इस साल फरवरी में केंद्र सरकार ने बताया था कि पिछले 10 साल में यूनेस्को में 89 हजार सरकारी स्कूल बंद हो गए हैं। इनमें से अधिकांश 25 हज़ार स्कूल अकेले उत्तर प्रदेश से थे। 5 हजार स्कूल और बंद हमारे दिल पर मोर लोड ना आए इसलिए योगी सरकार ने स्कूल बंद करने की इस स्कॉच को नाम दिया है पेअरिंग स्कॉच। वर्ष 2015-16 में उत्तर प्रदेश में करीब 1 लाख 62 हजार प्राथमिक विद्यालय थे। जो साल 2021-22 में 1 लाख 40 हजार ही रह गए। यानी 2015-16 के मुकाबले में ये संख्या कम हो गई। सरकार का तर्क है कि जिन स्कूलों में बच्चों की संख्या 50 से कम है, उन्हें बंद कर देना ही बेहतर है। लेकिन सवाल ये है कि आखिर ये स्कॉटिश बच्चे क्यों नहीं हैं? क्या बच्चों की संख्या आपके-आप कम हो गई, या इसके पीछे सरकार की नीतियां जिम्मेदार हैं? ईटीवी-भारत न्यूज़ वेबसाइट के अनुसार यू-डीआईएसई पोर्टल के आधार पर जो आंकड़े सामने आए हैं, वो देखने वाले हैं। आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में करीब 30,000 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय ऐसे हैं, जो जर्जर स्थिति में हैं। जहां 742 स्कूल पूरी तरह से खराब खंडहर हैं। इसके बाद 690-690 में जंगल और जंगल में 674, ग़रीब में 643, 641 में ग़रीब में और 633 में बलिया में कब्ज़ा की स्थिति बेहद खस्ता है। इन स्कूलों में बच्चों के लिए न तो अधूरा निर्माण है, न शौचालय,

न पीने का पानी और न ही चारदीवारी। कभी मिड-डे मील का सामान नहीं आता, तो कभी छत टपकती है। स्थानीय बिजली नहीं। कभी-कभी स्कूल में ही जूते डूब जाते हैं। तो ऐसे रसोई में किसी ने भी अपने बच्चों को क्यों भेजेगा? जब स्कूल में टीचर ही नहीं होंगे तो पढ़ाई कैसे होगी? जिन शिक्षकों में शिक्षक तैनात हैं, वहां उनकी ड्यूटी चुनाव, सर्वेक्षण, योजना या धार्मिक आयोजनों में लगाई जाती है। स्कूल सिर्फ रिकॉर्ड में है। क्लासरूम बंद होता है, परिसर सूना रहता है। फिर जब बच्चों की पढ़ाई नहीं होती, तो परिवार वाले अपने बच्चों को या तो प्राइवेट स्कूलों में दाल देते हैं या फिर पढ़ाई ही छुड़वा देते हैं। यानी धीरे-धीरे सरकारी स्कूल के बच्चे आना ही बंद कर देते हैं। फिर एक दिन शासन की रिपोर्ट आती है छात्र संख्या कम है, स्कूल बंद कर दिया जाएगा।

बाकी जो स्कूल चल रहे हैं उनमें भी बार-बार सुरक्षा के नाम पर छुट्टियाँ घोषित कर दी जाती है। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा अब बस एक धार्मिक परंपरा नहीं रही, ये एक सरकारी आयोजन संस्था बन चुकी है। हर साल जैसे ही सावन आता है, प्रदेश का पूरा सरकारी तंत्र एक ही दिशा में दौड़ता है- तीर्थयात्रियों की सेवा। स्वास्थ्य विभाग से लेकर जिला प्रशासन तक, स्वास्थ्य विभाग से लेकर नगर निगम तक, हर विभाग को आदेश दिया जाता है कि कांवड़ियों की सुविधा में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। जगह-जगह कैंप, मेडिकल कैंप, मोबाइल स्टेडियम, मिस्ट फैन, नमक-पानी तक डाला जाता है। और ये सब फंडिंग आती है सरकारी खज़ाने से।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा कोविड-19 के बाद की शिक्षा की स्थिति का आकलन करने के लिए वैश्विक शिक्षा से संबंधित एक विशेष बैठक आयोजित करने के बाद जारी एक बयान के अनुसार, कोविड महामारी ने पिछले 20 वर्षों में पूरी दुनिया में शिक्षा के क्षेत्र में हासिल की गई उपलब्धियों को मिटा दिया है। दुनिया भर में 10 करोड़ से अधिक अतिरिक्त बच्चे पढ़ने-लिखने के न्यूनतम स्तर से वंचित हो गए हैं। रिपोर्ट इस तथ्य को भी सामने लाती है कि इस वैश्विक स्थिति की पृष्ठभूमि में, यह समझना मुश्किल नहीं है कि कोविड के समय में भारत में कितने कम छात्र इंटरनेट के माध्यम से पढ़ाई कर पाए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, देश के ग्रामीण इलाकों में केवल 18 प्रतिशत के पास इंटरनेट की सुविधा थी, लेकिन उनमें से कितने वास्तव में इसका उपयोग कर पाए, यह भी संदिग्ध है क्योंकि डेटा पैक खरीदने के लिए पैसे, मोबाइल चार्ज करने के लिए बिजली आदि जैसे कई सवाल इससे जुड़े हैं। रिपोर्ट बताती है कि 42 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में इंटरनेट की सुविधा है, लेकिन शहरी गरीब बस्तियों में रहने वाले कितने छात्र इसका लाभ उठा पाए, यह भी एक सवाल है। इसके अलावा, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि निजी स्कूलों में उच्चतर माध्यमिक स्तर पर 62 प्रतिशत से ज्यादा शिक्षक पूरी तरह योग्य नहीं हैं। ऐसे में, अगर शिक्षक अपनी पूरी क्षमता से काम करने की कोशिश भी करें, तो वे इसमें कितने सफल होंगे, यह तो आने वाला समय ही बताएगा। रिपोर्ट में अंत में दस सुझाव भी दिए गए हैं जिनके ज़रिए देश में सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा सकती है। इनमें सबसे अहम है पूर्वोत्तर और ग्रामीण इलाकों के स्कूलों में शिक्षकों की संख्या बढ़ाना और उनके उचित प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।

कुल मिलाकर, स्कूलों में पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की व्यवस्था करना, सरकारी क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा स्कूल खोलना ताकि गरीब और ग्रामीण बच्चे फीस आदि के कारण शिक्षा से वंचित न रहें और शिक्षक-छात्र अनुपात को कम करना यानी शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए स्कूलों की संख्या बढ़ाना, सतत विकास लक्ष्य 2030 को प्राप्त करने की दिशा में कुछ अहम कदम हो सकते हैं। हालाँकि, बड़ा सवाल यह है कि क्या हमारे देश की सरकार यह सब करने के लिए तैयार है। दरअसल, सभी संकेत यही बताते हैं कि सत्ताधारियों के बीच सभी स्तरों पर सार्वजनिक शिक्षा को कमज़ोर करने की एक सोची-समझी योजना चल रही है। हमें एक संगठन के रूप में इसे रोकने के लिए कमर कसनी होगी।

**-भारत भूषण अड़जरिया**

## रामचरित मानस

**कल के अंक में आपने पढ़ा था कि गुरु वशिष्ठजी के पास बुलावा गया। वे ब्राह्मणों को साथ लिए राजद्वार पर आए। उन्होंने जाकर अनुपम बालक को देखा, जो रूप की राशि है और जिसके गुण कहने से समाप्त नहीं होते॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।**

**दो0-नंदीमुख सराध करि जातकरम सब कीन्ह।**
**हाटक धेनु बसन मनि नृप बिप्रन्ह कहँ दीन्ह॥**

फिर राजा ने नांदीमुख श्राद्ध करके सब जातकर्म-संस्कार आदि किए और ब्राह्मणों को सोना, गो, वस्त्र और मणियों का दान दिया॥

**ध्वज पताक तोरन पुर छावा। कहि न जाइ जेहि भाँति बनावा॥**
**सुमनबृष्टि अकास तें होई। ब्रह्मानंद मगन सब लोई॥**

ध्वजा, पताका और तोरणों से नगर छा गया। जिस प्रकार से वह सजाया गया, उसका तो वर्णन ही नहीं हो सकता। आकाश से फूलों की वर्षा हो रही है, सब लोग ब्रह्मानंद में मग्न हैं॥

**बृंद बृंद मिलि चलीं लोगाईं। सहज सिंगार किएँ उठि धाईं॥**
**कनक कलस मंगल भरि थारा। गावत पैठहिं भूप दुआरा॥**

स्त्रियाँ झुंड की झुंड मिलकर चलीं। स्वाभाविक श्रृंगार किए ही वे उठ दौड़ीं। सोने का कलश लेकर और थालों में मंगल द्रव्य भरकर गाती हुईं राजद्वार में प्रवेश करती हैं॥

(क्रमशः...)

## राशिफल

**श्रावण माह, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी** | **(विक्रम संवत् 2082)**

**मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)**
मानसिक स्वास्थ्य थोड़ा परेशानी में रहेगा। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार आपका सही चलता रहेगा।

**वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)**
घरेलू सुख बाधित रहेगा। गृह कलह के बड़े संकेत हैं। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी है।

**मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)**
स्वास्थ्य थोड़ा ऊपर-नीचे रहेगा। व्यापार या व्यापारिक संबंध थोड़े मध्यम रहेंगे। प्रेम, संतान की स्थिति बहुत अच्छी रहेगी।

**कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)**
घबराहट, बेचैनी, मानसिक परेशानी, स्वास्थ्य से संबंधित परेशानी रहेगी। प्रेम, संतान अच्छा रहेगा।

**सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)**
सर दर्द, नेत्र पीड़ा, अज्ञात भय, खर्च की अधिकता, इत्यादि। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार भी लगभग अच्छा।

**कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)**
मानसिक अशांति बच्चों की सेहत को लेकर, प्रेम को लेकर। आय की स्थिति में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

**तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)**
पिता के स्वास्थ्य को लेकर, स्वंय के स्वास्थ्य को लेकर, राजनीतिक स्थिति को लेकर के, व्यावसायिक स्थिति को लेकर के मन चिंतित रहेगा।

**वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)**
यात्रा करने से अभी बचना चाहिए। भाग्य में भरोसा करके अभी कोई भी काम न करें। एक दो दिन रुक जाएं।

**धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)**
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

**मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)**
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

**कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)**
जुआ, सट्टा, लॉटरी में पैसे न लगाएं। नुकसान का संदेह है। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

**मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)**
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा, लेकिन डिस्टर्बिंग टाइम रहेगा। कार्यों में विघ्न-बाधा की अधिकता रहेगी।

# विधायक तेजपाल नागर ने चिटेहरा में लिखी नई इबारत

## करोड़ों के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

**दादरी (चेतना मंच)।** विधानसभा क्षेत्र के चितहेड़ा गाँव के लिए 27 जुलाई का दिन ऐतिहासिक रहा। क्षेत्रीय विधायक तेजपाल सिंह नागर ने ग्रामीणों को तीन महत्त्वपूर्ण विकास योजनाओं चार लेन सड़क, अत्याधुनिक पशु चिकित्सालय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के बहुउद्देशीय खेल स्टेडियम की सौगात देकर ग्रामीण विकास की नई इबारत लिखी।

चितहेड़ा गाँव की वर्षों पुरानी माँग पूरी होने जा रही है। जी.टी. रोड से जुड़ने वाली मुख्य सड़क का चार लेन चौड़ीकरण और दोनों ओर पक्के नालों का निर्माण किया जाएगा। साथ ही बिजली के खंभों की शिफ्टिंग का भी कार्य होगा। इससे गाँव में जलभराव की समस्या समाप्त होगी और आवागमन में सुगमता आएगी।

गाँव में एक नया पशु चिकित्सालय बनेगा, जिसमें डॉक्टरों की तैनाती, आपातकालीन सेवाएँ, मोबाइल चिकित्सा यूनिट और आधुनिक उपकरण उपलब्ध होंगे। यह केंद्र पशुपालकों के लिए एक बड़ी राहत सिद्ध होगा।

चितहेड़ा को मिलने वाला स्टेडियम फुटबॉल, कुश्ती, कबड्डी, वॉलीबॉल और एथलेटिक्स जैसी खेल सुविधाओं से सुसज्जित होगा। यह युवाओं को अभ्यास व प्रतियोगिता के लिए प्लेटफार्म देगा और गाँव को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाएगा। विकास का मतलब है हर परिवार में आशा, हर युवा में अवसर और हर नागरिक में आत्मगौरव। यही मेरा लक्ष्य है, यही मेरी नीयत है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में पूरे उत्तर प्रदेश में जिस गति से विकास कार्य हो रहे हैं, उसी का प्रतिफल है कि आज दादरी भी एक आदर्श विधानसभा क्षेत्र के रूप में उभर रहा है।

इस अवसर पर भाजपा पश्चिम क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिसोदिया, जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा सहित भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ता, पदाधिकारी, ग्रामवासी व गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में इन योजनाओं का स्वागत किया और विधायक नागर को धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर अमरीश प्रमुख, हरेंद्र नागर, एच.के. शर्मा, विचित्र तोमर, लक्ष्मण ठेकेदार, श्याम मास्टर, जयराम भगत, जगदीश भाटी, विजय प्रधान, प्रद्यु दरोगा, दिनेश भाटी, राजवीर प्रधान, आज़ाद भाटी, सुभाष भाटी, ईश्वर भाटी, संजय भाटी, नरेंद्र पंडित, राजेश प्रधान, अजय मास्टर, बीरे फौजी, वीरेन्द्र प्रधान, ब्रह्मपाल दरोगा, विक्रम फौजी, इकरम, हाकम, शैंकी भाटी, हरिश नागर, अजित दादा, नीरज प्रधान, योगेंद्र फौजी, जितेंद्र फौजी, जय भगवान भगत, राज सिंह, संजय नेता, इंद्रपाल, संजीव, रवि, नरेंद्र, मनीष प्रधान, तेजी मास्टर आदि मौजूद रहे।

# जाट समाज ग्रेटर नोएडा ने मनायी हरियाली तीज

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** जाट समाज ग्रेटर नोएडा की महिलाओं द्वारा अंसल गोल्फ लिंक्स में हरियाली तीज कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें समाज की महिलाओं द्वारा मनोरंजन कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं का स्वागत श्रीमती सीमा चौधरी द्वारा किया गया। आपस में अलग-अलग प्रतियोगिताएं भी रखी गई।

कार्यक्रम में सबसे बुजुर्ग महिला श्रीमती रज कुलारी देवी जी ने उपस्थित महिलाओं को हरियाली तीज का महत्व बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ प्रीति चौधरी ने किया। कार्यक्रम में नवविवाहित महिलाओं के साथ-साथ वरिष्ठ महिलाओं ने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में आधुनिक संगीत के साथ-साथ लोकगीतों पर भी सामूहिक नृत्य किया गया। कार्यक्रम के आयोजन के लिए पूजा मलिक, तारा सिंह, प्रविता सिंह, सुमन तालान, गीता सिंह, संगीता सिंह, योगिता सिंह, सरला चौधरी, सपना चौधरी, रीता चौधरी, अनीता सिंह, नीरा डागर, सरोज तालान, रेना चौधरी एवं अन्य उपस्थित सदस्यों का सहयोग रहा।

# 'कारगिल विजय दिवस' पर भाजपा ने वीर सैनिकों को किया सम्मानित

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** भारतीय जनता पार्टी द्वारा तिलपता गोलचक्कर स्थित जिला कार्यालय पर कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कारगिल युद्ध में भाग लेने वाले वीर जवानों और शहीदों के परिजनों को पुष्पमाला, पटका पहनाकर और स्मृतिचिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व प्रदेश मंत्री एवं वर्तमान एमएलसी नरेन्द्र भाटी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने की और संचालन संगोष्ठी संयोजक सत्यपाल शर्मा व इन्द्र नागर द्वारा किया गया।

सम्मानित होने वाले वीर सैनिकों में कर्नल गिरीश मिश्रा, सूबेदार कमल कुमार, फ्लाइट लेफ्टिनेंट कैप्टन पंचशील, हवलदार मनोज भाटी, रवि कुमार, नरेन्द्र प्रताप सिंह, लांस नायक हरेन्द्र कुमार, लांस नायक मनोज कुमार, नायक योगेंद्र सिंह, सूबेदार भोपाल सिंह, मेजर राकेश शर्मा (शौर्य चक्र), हवलदार ज्ञानेन्द्र सिंह, सूबेदार तेजवीर सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल परविंदर सिंह, सूबेदार प्रेमचंद, सूबेदार हरिश्चंद्र जी समेत कई अन्य वीर सैनिक और शहीद नरेन्द्र भाटी की पत्नी सुरेश देवी को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पूर्व किसान मोर्चा प्रदेश मंत्री सुभाष भाटी, जिला महामंत्री दीपक भारद्वाज, प्रदेश युवा मोर्चा मंत्री सतेन्द्र अवाना, संजय चैची, इन्द्र नागर, वीरेन्द्र भाटी, कर्मवीर आर्य, पंकज रावल, अमित शर्मा, गुरुदेव भाटी, महेश शर्मा, गोविंद वाल्मीकि, धीर राणा, धर्मेन्द्र भाटी, कपिल गुर्जर, विजय कसाना, शक्ति रावल, वरुण धीमान, सतवीर भाटी आदि उपस्थित रहे।

# भाजपा ने बूथ स्तर पर सुनी 'मन की बात'

**चेतना मंच**

**ग्रेटर नोएडा।** भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को पूरे जोश और उत्साह के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को सुना गया।

पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र शिशोदिया ने दादरी नगर के बूथ संख्या 378 पर भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा एवं स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम को सुना। कार्यक्रम के पश्चात 'एक पौधा माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान का संदेश भी दिया गया। क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र शिशोदिया ने इस अवसर पर कहा कि 'मन की बात' देशवासियों को जोड़ने और प्रेरणा देने वाला कार्यक्रम है, जिसके माध्यम से प्रधानमंत्री देश की विविध प्रतिभाओं और सामाजिक पहलों की जानकारी साझा करते हैं।

# शाहदरा : 30 को जुटेंगे हजारों किसान

## तानाशाह हो गए हैं प्राधिकरण अफसर : रेखा सिवाल

### महापंचायत के लिए यूनियन ने झोंकी ताकत

**नोएडा (चेतना मंच)।** नोएडा प्राधिकरण की कथित तानाशाही के खिलाफ शाहदरा गांव में पिछले 19 महीनों से धरने पर बैठे किसानों को अब तक न्याय नहीं मिला है। किसान और भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के कार्यकर्ता लगातार संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

पीड़ित परिवार का कहना है कि नवीन भाटी की पुश्तैनी जमीन पर कुछ निर्माण कार्य किया गया था, जिस पर उच्च न्यायालय का स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) भी था। इसके बावजूद, लगभग 19 महीने पहले नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने अतिक्रमण बताकर जबरन तोड़फोड़ कर दी, जिससे किसान आक्रोशित हो उठे।

अब इसी मुद्दे को लेकर 30 जुलाई को एक विशाल महापंचायत आयोजित की जाएगी, जिसमें 32 से अधिक किसान संगठनों के शामिल होने की संभावना जताई गई है। भारतीय किसान यूनियन बलराज की महिला इकाई की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा शिवाल ने जानकारी दी कि यह महापंचायत प्राधिकरण के खिलाफ निर्णायक संघर्ष का संकेत होगी। बीकेयू (बलराज) के प्रदेश अध्यक्ष हातम सिंह भाटी ने कहा कि 19 महीने से लगातार धरना जारी है और इस दौरान हमने 70 से अधिक बार प्राधिकरण से न्याय की गुहार लगाई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों की तानाशाही और किसानों की उपेक्षा के कारण आज ग्रामीण सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं।

# भाजपा ने निकाला मशाल जुलूस

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** भाजपा कार्यकर्ताओं ने दादरी नगर के तहसील से शहीद स्मारक तक कारगिल विजय विशाल मशाल जुलूस निकाला, जिसमें मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा जी रहे। विशाल मशाल जुलूस में दादरी नगर भाजपा कार्यकारिणी की टीम के साथ दादरी नगर के सैकड़ों सामाजिक राष्ट्रप्रेमी लोग मशाल जुलूस में शामिल हुए।

जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि कारगिल विजय दिवस सेना के शौर्य और पराक्रम को नमन है। देश की सेना के जवानों ने देश के दुश्मनों के छक्के कारगिल युद्ध में भी छुड़ाए थे और पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर में मात्र 24 मिनट में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह करने का काम देश की सेना और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सबक सिखाने का काम किया।

# सीटू की बैठक सम्पन्न

**नोएडा (चेतना मंच)।** सेंटर ऑफ़ इंडियन ट्रेड यूनियन सीटू जिला कमेटी गौतमबुद्धनगर के कार्यकर्ताओं की बैठक सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा की अध्यक्षता में आज जिला कार्यालय सेक्टर-8, नोएडा पर संपन्न हुई। बैठक में जनपद के विभिन्न उद्योगों में श्रमिकों की चल रही श्रम समस्याओं पर विचार-विमर्श कर आंदोलन की रूपरेखा तय की गई। साथ ही 9 जुलाई 2025 की देशव्यापी हड़ताल की समीक्षा रिपोर्ट एवं सीटू जिला कमेटी गौतमबुद्धनगर के त्रैवार्षिक जिला सम्मेलन व राज्य कमेटी सम्मेलन पर सीटू जिला महासचिव कामरेड रामसागर ने रिपोर्ट रखी, जिस पर जिला कमेटी के सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव रखे।

# सपा जिलाध्यक्ष के आवास पर पहुंचे रामगोपाल यादव

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** समाजवादी पार्टी के प्रमुख महासचिव और राज्यसभा सांसद प्रोफेसर रामगोपाल यादव के रविवार को एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए को ग्रेटर नोएडा पहुंचने पर सपा कार्यकर्त्ताओं द्वारा जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी के ग्रेटर नोएडा स्थित आवास पर जोरदार स्वागत किया किया गया। इस दौरान प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने कार्यकर्ताओं को आगमी विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने कहा कि भाजपा तानाशाही रवैया अपनाते हुए लोकतंत्र की हत्या कर रही है।आज भाजपा अपने राजनैतिक हित साधने के लिए संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। भाजपा की नीति हर परिस्थिति में चुनाव जीतने की है, चाहे इसके लिए उसे लोकतंत्र की हत्या क्यों ना करनी पड़े।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार कि जनविरोधी नीति और मनमानी के चलते आज देश एवं प्रदेश बदहाल स्थिति में पहुँच गया है। दिनों-दिन बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी से जनता परेशान है। ध्वस्त कानून व्यवस्था, बढ़ता भ्रष्टाचार भाजपा सरकार की असफलता है। भाजपा सरकार की नीतियों से त्रस्त जनता अब उत्तर प्रदेश में बदलाव चाहती है। संविधान बचाने और लोकतंत्र की रक्षा के लिए भाजपा को हटाना अति आवश्यक है।

उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओ से अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने के लिए समाजवादी पार्टी को बूथ स्तर पर मजबूत करने का आह्वान किया। इस मौके पर मुख्य रुप से सरधना विधायक अतुल प्रधान, राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी, फकीरचंद नागर, सुनील भाटी देवटा, जिला महासचिव सुधीर तोमर, मेहंदी हसन, सुरेन्द्र नागर, रविन्द्र यादव, कपिल ननका, ओंकार भाटी, अक्षय चौधरी, दीपक नागर, हैप्पी पंडित, दीपक देवटा, हिमांशु राणा, लोकेन्द्र यादव, अभिषेक भाटी आदि मौजूद रहे।

# रोटरी क्लब ने हर्षोल्लास से मनाया हरियाली तीज महोत्सव

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा द्वारा महिलाओं के पारंपरिक उत्सव हरियाली तीज को बड़े ही धूमधाम और रंगारंग अंदाज़ में रॉयल हैबिटेट सेंटर, ग्रेटर नोएडा में मनाया गया। इस अवसर पर क्लब की चार्टर प्रेसिडेंट मानसी गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि तीज महिलाओं के श्रृंगार, उत्सव और आपसी मेलजोल का प्रतीक है, जिसे क्लब ने बेहद उत्साहपूर्वक मनाया।

कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुए मुख्य अतिथि रो. स्वाति गुप्ता, जो डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इलेक्ट रो. अमित गुप्ता की पत्नी हैं, ने भी समारोह में सहभागिता की और सभी महिलाओं को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में आईं महिलाओं ने परंपरागत व आधुनिक गीतों पर डांस, मनोरंजक गेम्स, और विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर तीज महोत्सव को खास बना दिया। साथ ही स्वादिष्ट और विविध व्यंजनों ने सभी के उत्साह को और बढ़ाया।

इस मौके पर श्रुति बंसल, प्रीति गर्ग, जया जिंदल, नीतू बंसल, वंदना शर्मा, कुमकुम गुप्ता, रिचा गर्ग, ललिता, भावना, बारिश, रुचि, दीपिका, तृप्ति, शिखा, सोनिया, गीता, सीमा, हेमा, रुचिका और प्रियंका समेत अनेक महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रही, जिन्होंने इस आयोजन को एक यादगार उत्सव में बदल दिया।

रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा का यह आयोजन सामाजिक समरसता और संस्कृति के उत्सव का एक सुंदर उदाहरण बना, जिसमें महिलाओं ने न केवल परंपरा को जीवंत किया बल्कि एकजुटता और आपसी सौहार्द का संदेश भी दिया।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

## खास खबर

### भारतीय मूल के युवक पर जानलेवा हमला

**मेलबर्न।** ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में भारतीय मूल के सौरभ आनंद पर पांच लोगों ने हमला कर दिया। यह हमला 19 जुलाई की शाम करीब 7:30 बजे एलटोना मीडोज के सेंट्रल स्क्वायर शॉपिंग सेंटर के बाहर हुआ, जब वह दवा लेकर घर लौट रहे थे। सौरभ ने बताया कि वह फोन पर एक दोस्त से बात कर रहे थे, तभी कुछ हलचल हुई। उन्होंने बताया कि मैंने कुछ नहीं सुना...कुछ ही सेकंड में उन्होंने उसे घेर लिया। एक ने उनकी जेब टटोली, दूसरा उनके सिर पर मारता रहा और तीसरे ने माचेते निकालकर गले पर रख दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सौरभ आनंद ने बताया कि वह चेहरे को बचाने के लिए हाथ उठाया, लेकिन माचेते ने मेरी कलाई को काट दिया। दूसरा वार हाथ को चीर गया और तीसरा हड्डी के आर-पार चला गया। हमले में उन्हें पीठ और कंधे पर भी गहरी चोटें आईं। रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हुआ, हाथ की हड्डियां टूटीं और सिर में भी गंभीर चोट आई है। गंभीर रूप से घायल सौरभ किसी तरह बाहर निकले और मदद के लिए चिल्लाए। कुछ अजनबियों ने उन्हें संभाला और ट्रिपल जीरो कॉल करके एंबुलेंस बुलवाई।

### पूर्व गर्लफ्रेंड के साथ मारपीट

**नोएडा ( चेतना मंच )।** शहदरा गांव में रहने वाले एक युवक ने अपनी पूर्व गर्लफ्रेंड के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया युवती के मुंहबोले भाई ने आरोपी युवक, उसके चाचा सहित दो अज्ञात लोगों के खिलाफ थाना सेक्टर 142 में मुकदमा दर्ज कराया है। छतरपुर दिल्ली में रहने वाले आकाश सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी मुंहबोली बहन साक्षी (काल्पनिक नाम) को सेक्टर-141 के शहदरा गांव में रहने वाले अजीत सिंह ने फोन कर नोएडा बुलाया था। वह और साक्षी जब नोएडा पहुंचे तो वहां पर अजीत उसका चाचा रामचंद्र और दो अन्य लोग मौजूद थे। इन लोगों ने उनके साथ गाली गलौज करते हुए हाथापाई शुरू कर दी। उन्होंने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की। थाना प्रभारी विनोद मिश्रा ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है प्रारंभिक जांच को पता चला है कि अजीत व युवती की पूर्व में दोस्ती थी। कुछ समय पूर्व दोनों की दोस्ती टूट गई थी। इस मामले में रामचंद्र को शांति भंग की धाराओं में गिरफ्तार कर लिया गया है।

# गुजरात में फिर भारी बारिश, रेड और ओरेंज अलर्ट

एजेंसी

**अहमदाबाद।** गुजरात में मॉनसून फिर सक्रिय हो गया है, जिसके चलते राज्य में बारिश शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने अगले सात दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान जताया है। रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में हुई बारिश में सबसे ज्यादा बारिश बनासकांठा के वडगाम में साढ़े सात इंच दर्ज की गई। भारी बारिश के कारण शहर में जलभराव हो गया और बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। इसके अलावा मोडासा में सवा छह इंच, तलोद में साढ़े पांच इंच, सिद्धपुर में सवा पांच इंच, कपराडा और दहेगाम में पांच इंच दर्ज की गई। इसके अलावा दीसा में 95 मिमी दर्ज की गई। डांग में 82.5 मिमी, अहमदाबाद में 47 मिमी, सूरत में 39 मिमी, गांधीनगर में 28 मिमी, राजकोट में 9 मिमी, बडोदा में 3 मिमी और वेरावल में 2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। आईएमडीद ने रविवार को अगले कुछ घंटों के दौरान प्रदेश के बनासकांठा, साबरकांठा, अरावल्ली, खेड़ा, पाटण, मेहसाणा, गांधीनगर, अहमदाबाद और सुरेंद्रनगर जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी कर भारी बारिश का अनुमान जताया है। इसके अलावा भरूच, नर्मदा, सूरत, तापी, कच्छ, मोरबी, जामनगर, राजकोट, बोटाद, भावनगर, आणंद, महिसागर, दाहोद, पंचमहल, छोटा उदयपुर, वडोदरा, आणंद, नवसारी, डांग और वलसाड़ जिलों के लिए ओरेंज अलर्ट जारी करते हुए इन जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है। रविवार को मौसम विभाग ने तापी, नवसारी,छोटा उदयपुर, नर्मदा और वलसाड जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी करते हुए इन जिलों में अत्यधिक भारी तथा कुछ स्थानों पर अति भारी बारिश हो सकती है। इसके साथ ही इन जिलों में तेज हवाएं चलने और बिजली गिर सकती है। इसके अलावा साबरकांठा, अरावल्ली, महिसागर, दाहोद, पंचमहल, वडोदरा, भरूच, सूरत और डांग जिलों के लिए ओरेंज अलर्ट जारी करते हुए इन जिलों में बहुत भारी बारिश होन का पूवार्नुमान लगाया है। सोमवार को मौसम विभाग ने साबरकांठा, अरावल्ली और महिसागर जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी कर भारी बारिश की संभावना जताई है। इसके साथ ही इन जिलों में तूफान आने व बिजली गिरने की संभावना है।

### महाराष्ट्र के भी कई जिलों भारी बारिश का अलर्ट, प्रशासन सतर्क

मुंबई। भारतीय मौसम विभाग ने रविवार को महाराष्ट्र के अधिकांश जिलों के लिए ओरेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही आज कोंकण, विदर्भ और पश्चिमी महाराष्ट्र के कई जिलों में ऑरेंज भारी बारिश की चेतावनी दी है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने बारिश के चलते संभावित आपदा को देखते हुए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल को सतर्क रहने के निर्देश दिया है। रायगढ़ जिले के उरण के पास समुद्र में एक नाव पलटने से उसमें सवार 8 लोगों में से तीन लोग लापता हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने आज बताया कि पिछले दो दिनों से हो रही भारी बारिश से गोंदिया जिले में बाघ नदी खतरे के निशान को पार कर गई है। इसी तरह रायगढ़ जिले में कुंडलिका नदी चेतावनी के निशान को पार कर गई है और नदी किनारे बसे गाँवों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। पुणे जिले के खडकवासला और पवना बाँधों से नियंत्रित पानी छोड़ा जा रहा है और जिला प्रशासन ने नागरिकों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। परभणी जिले में हदगाँव पाथरी की एक मस्जिद में 20 लोगों को स्थानांतरित किया गया। साथ ही माटेगाँव में पुल से पानी बहने के कारण सुरक्षा उपाय के तौर पर जीरो फाटा मार्ग को बंद कर दिया गया है। आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार रायगढ़ जिले के उरण के पास समुद्र में एक नाव पलटने से उसमें सवार 8 लोगों में से 5 तैरकर बाहर निकल आए जबकि तटरक्षक बल, स्थानीय प्रशासन और बचाव दल की मदद से 3 लोगों की तलाश की जा रही है।

## जतन सुखबीर प्रधान शिक्षा समिति द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** चौधरी जतन सुखबीर प्रधान शिक्षा समिति द्वारा गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रोफ़ेसर रामगोपाल यादव शामिल हुए। कार्यक्रम में क्षेत्र की विभिन्न प्रतिभाओं — कुश्ती, कबड्डी, चिकित्सा, यूपी बोर्ड एवं सीबीएसई में अव्वल छात्र-छात्राएँ, पत्रकार — सहित करीब 200 लोगों को सम्मानित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए प्रो. रामगोपाल यादव ने कहा कि गुर्जर समाज में अब शिक्षा की लौ जल चुकी है। ईश्वर नागर, दिनेश नागर जैसे जज, डॉक्टर, आईएएस, आईपीएस अधिकारी और बबीता नागर व जोटी भाटी जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के पहलवान समाज और देश-प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। शिक्षा ही समाज को जोड़ने का सबसे बड़ा माध्यम है।

उन्होंने स्वर्गीय जतन भाटी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि जिस व्यक्ति को इतनी कम उम्र में समाज इस तरह याद करता है, वह उसकी क़ाबिलियत और लोकप्रियता का प्रमाण है। वे आज भी लोगों के दिलों में जीवित हैं। उन्होंने समिति के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए डॉ. विकास प्रधान की टीम के प्रयासों की सराहना की और जनसमूह की उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया।

सरधना विधायक अतुल प्रधान ने अपने संबोधन में कहा कि स्वर्गीय जतन भाटी समाज का कोहिनूर थे। इस परिवार ने हमेशा समाज के लिए कार्य किया है। आज उनके सपनों को साकार करने का कार्य डॉ. विकास प्रधान कर रहे हैं, जो सराहनीय है।

इस अवसर पर राजे प्रधान, धीरज नागर, विनय तालान, सुखवीर प्रधान, बाबू प्रधान, नासिर प्रधान, सुबेराम भाटी, ज्ञानी चेयरमैन, ग़ज़ब प्रधान, वेद प्रकाश प्रधान, सुधीर भाटी, इंदर प्रधान, लीला नागर, अनिल तालान, पवन खटाना, डॉ. आयुषी, सिंधु तेवतिया, शशि मावी, ब्रजेश भाटी, आलोक नागर, लौकेश भाटी, संजय कसाना, कृष्ण नागर, प्रदीप भाटी, शशि यादव, देवेंद्र टाइगर, शुभम चेची, मनीष नागर, अनिल कसाना, मनीष खारी, नरेंद्र भाटी, संदीप चदीला, भारत नागर, अनुज नागर, सी.पी. सोलंकी, हरेन्द्र नागर, विपिन कसाना, जगत बीडीसी, जितू गुर्जर, नितिन प्रधान, निक्की भाटी, हिमांशु तंवर, उमेश राणा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

शिव डाक कांवड़ लडपुरा सेवा समिति द्वारा आज गांव के शिव मंदिर पर भंडारे का आयोजन किया गया। शिव भक्तों द्वारा पिछले 9 वर्षों से लगातार हरिद्वार से डाक कांवड़ लाई जा रही है। प्रत्येक वर्ष डाक कांवड़ लाने के बाद पहले सोमवार को मंदिर पर भंडारे का आयोजन किया जाता है। भंडारे में शिव डाक कांवड़ सेवा समिति के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लेकर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया।

## युवक से छीना मोबाइल

**नोएडा ( चेतना मंच )।** थाना सेक्टर-58 क्षेत्र में बाइक सवार दो बदमाशों ने एक युवक से आईफोन मोबाइल छीन लिया। पीड़ित ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर-62 स्थित निरुपम वाटिका में रहने वाले गुलशन कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 26 जुलाई की रात्रि को वह अपनी सोसायटी के पास सड़क पर टहल रहा था। इस दौरान बाइक पर आए दो युवकों ने उसके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया उसने जब बदमाशों का विरोध किया तो वह उसे धक्का देकर बाइक से मार्केट की तरफ फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला जा रहा है।

## गैंगस्टर में वांछित बदमाश दबोचा

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** थाना बिसरख पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाश ने कुछ समय पहले अपने साथियों के साथ मिलकर बिग बॉस्केट स्टोर के चौकीदार को डरा धमका कर मोबाइल फोन नगदी में अन्य कीमती सामान लूटने की घटना को अंजाम दिया था।

थाना प्रभारी ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे देवराज उर्फ़ लुक्का को पुलिस ने यादव चौक से गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि देवराज उर्फ़ लुक्का ने अपने साथियों के साथ मिलकर थाना क्षेत्र के सेक्टर-1 में स्थित बिग बॉस्केट स्टोर में लूट की घटना को अंजाम दिया था पुलिस ने इस घटना का खुलासा करते हुए आरोपियों को लूट के समान व हथियारों के साथ गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। इस मामले में पुलिस द्वारा आरोपियो के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत भी मुकदमा दर्ज किया गया था।

## पृष्ठ एक के शेष....

**हापुड़ में कुख्यात...**

टीम द्वारा दी गई सूचना पर पुलिस ने बक्सर मध्य गंगा नहर पटरी पर वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान सामने से बाइक पर आए संदिग्ध को पुलिस ने रोकने का इशारा किया तो आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में पुलिस ने अपना बचाव किया तो आरोपी बाइक को छोड़कर जंगल की ओर भागने लगा। पुलिस ने पीछा करते हुए उसको रोकने का इशारा किया तो उसने दोबारा फायरिंग कर दी, जिसमें थाना प्रभारी सुमित कुमार बाल-बाल बच गए।

पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोली बदमाश डब्लू यादव के लग गई, जिससे वह घायल हो गया। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उपचार के लिए भेजा गया, जहां उसकी चिकित्सक द्वारा मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ की सूचना उच्च अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद उच्च अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। वहीं, मृतक के परिजनों को घटना के संबंध में जानकारी दी गई है। सीओ ने बताया कि मुठभेड़ में मारा गया बदमाश शातिर अपराधी था, जिसके खिलाफ करीब दो दर्जन से अधिक लूट रंगदारी समेत अन्य संगीन धाराओं में अभियोग पंजीकृत थे। आरोपी को एसटीएफ टीम के द्वारा पिछले काफी समय से तलाश किया जा रहा था। डब्लू का यूपी-बिहार में आतंक था। उसने बिहार के बेगूसराय में एक राजनैतिक दल के अध्यक्ष की हत्या कर उसके शव को बालू में छिपा दिया था।

**सीएम की चौखट...**

प्रदेश उपाध्यक्ष शाहबुददीन ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण ने फिर सेक्टर-122 में रह रहे झुग्गीवासियों का उत्पीड़न शुरू कर दिया है। करीब 200 झग्गीवासियों को आवंटन निरस्तीकरण के नोटिस भेजे गए हैं। जबकि झुग्गीवासियों के मकानों में दरारे आ गई हैं। छत पानी से टपक रही है। सभी मकानों में सीलन है। पाइपलाइनें टूटी हुई हैं। प्राधिकरण उनकी मरम्मत कराने के बजाय उनके आवंटन के निरस्तीकरण का नोटिस दे रही है।

झुग्गी झोपड़ी सेवा उत्थान समिति संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष उदयसिंह ने कहा कि पहले झुग्गी तोड़कर 7 लाख में सेक्टर-122 में झुग्गीवासियों को 30 मीटर के फ्लैट दिए गए। हर माह किश्त देने के बाद भी मकानों की न तो मरमम्त हो रही है और न ही उनकी किसी समस्या का समाधान हो रहा है। उल्टे प्राधिकरण फ्लैट खाली कराने का नोटिस दे रही है। बैठक में निर्णय लिया गया कि 12 अगस्त को सभी झुग्गीवासी प्राधिकरण की मनमानी तथा तानाशाही के खिलाफ सेक्टर-6 स्थित नोएडा प्राधिकरण पर धरना प्रदर्शन करेंगे।

इस मौके पर इंद्र बहादुर सिंह, लेखराज, मुन्ना आलम, शैलेन्द्र, सुमन, ममता, ज्ञानी देवी, युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष जावेद खान, पंडित श्याम सुंदर दीक्षित, पीसीसी सदस्य चांद मोहम्मद, अशरफ अहमद हुसैन समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

**युवक के जेब में...**

पूछताछ में पकड़े गए युवक ने अपना नाम हरीश उपाध्याय पुत्र जसवंत उपाध्याय निवासी ग्राम अजनौथी जनपद मथुरा बताया।कारतूस के संबंध में युवक ने बताया कि उसे यह कारतूस उसके दोस्त कृष्णवीर चौधरी उर्फ कृष्णा पुत्र पप्पू पहलवान ने तीन दिन पहले मथुरा जंक्शन पर दिए थे।वह और कृष्ण वीर चौधरी आपस में दोस्त है और एक साथ ही कोल्हापुर में रहते थे। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी हरीश उपाध्याय को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके दोस्त कृष्णवीर चौधरी के खिलाफ भी मामला दर्ज कर लिया गया है पुलिस कृष्णवीर चौधरी की तलाश कर रही है।

**ऑनलाइन फ्रॉड के...**

के साथ बिजनेस में पैसा लगाने को लेकर फ्रॉड होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी अरविंद कुमार वर्मा ने सुनियोजित फ्राड आनलाईन कम्पनी के 8 लोगों को गिरफ्तार किया। इन लोगों द्वारा जल्दी अमीर बनने का लालच देकर आम लोगों से सम्पर्क किया जाता था तथा उनको कम्पनी में रुपये निवेश करने के लिए कम्पनी के प्रोडेक्ट जैसे सोना, हीरे, घडियां आदि सामान खरीदकर तथा बेचकर कम्पनी में काम करने पर भारी मुनाफा देने तथा कुछ ही दिनों में करोडपति बनने का सपना दिखाया जाता था। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से 10 लैपटाप,5 टैबलेट, 13 मोबाईल फोन,1 करोड रुपए मूल्य का चेक ,30 ए टीएम ,4 घडिँया व एक गाडी स्विफ्ट कार बरामद की है।

एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के नाम विधान डागर पुत्र रोहित डागर निवासी- ग्राम खुडकासुली थाना डगवेता जिला पश्चिमी मिंदनापुर वेस्ट बंगाल हाल पता फ्लेट न0- बी-2203 एपेक्स गोल्फ एवेन्यु सेक्टर 1 थाना बिसरख ग्रेटर नोएडा उम्र- 27 वर्ष, सतीश शाव पुत्र रामचन्द्र शाव निवासी- ग्राम मोराबादी थाना लालपुर जिला रांची झारखण्ड हाल पता- फ्लेट न0- बी- 2203 एपेक्स गोल्फ एवेन्यु सेक्टर 1 थाना बिसरख ग्रेटर नोएडा उम्र- 29 वर्ष, कल्पेश राजू भाई पुत्र राजू भाई निवासी- ग्राम बावलचूनी थाना झापी जिला बनसकाठा गुजरात हाल पता फ्लेट न0- बी- 2203 एपेक्स गोल्फ एवेन्यु सेक्टर 1 थाना बिसरख ग्रेटर नोएडा उम्र- 23 वर्ष, गुरविन्दर सिह पुत्र सरबजीत सिह निवासी- ग्राम रुमी थाना चौकीमान मल्लाहपुर जिला लुधियाना हाल पता-फ्लेट न0- 708 आस्था ग्रीन सेक्टर 4 थाना बिसरख ग्रेटर नोएडा उम्र- 29 वर्ष, गुरदीप सिंह पुत्र दर्शन सिह निवासी- ग्राम तामकोर थाना मुक्तसर जिला मुक्तसर पजांब हाल पता फ्लेट न0- 708 आस्था ग्रीन सेक्टर 4 थाना बिसरख ग्रेटर नोएडा उम्र- 39 वर्ष, कौशिक डागर पुत्र काजल डांगर निवासी ग्राम खडिका सोली थाना गडबेपता जिला पश्चिमी मिंदनापुर पश्चिमी बंगाल हाल पता फ्लेट न0- 106 आस्था ग्रीन सेक्टर 4 थाना बिसरख ग्रेटर नोएडा उम्र- 31 वर्ष, गणेश बेरा पुत्र दीपक बेरा निवासी- ग्राम नथना थाना नन्दीग्राम जिला पूर्वी मिंदनापुर वेस्ट बंगाल हाल पता फ्लेट न0- 2203 एपेक्स गोल्फ एवेन्यु सेक्टर 1 थाना बिसरख ग्रेटर नोएडा उम्र- 23 एवं तापस धारा पुत्र अरुण धारा निवासी- ग्राम गोविन्दानगर थाना धारा जिला पश्चिमी मिदानपुर वेस्ट बंगाल हाल पता फ्लेट न0- 2203 एपेक्स गोल्फ एवेन्यु सेक्टर 1 थाना बिसरख ग्रेटर नोएडा उम्र- 28 वर्ष है।

गिरफ्तार जालसाज एक सुनियोजित फ्राड आनलाईन कम्पनी जिसके द्वारा आम लोगों को जल्दी अमीर बनने के लालच देकर आम लोगों से सम्पर्क किया जाता था तथा उनको कम्पनी में रुपये निवेश करने के लिए कम्पनी के प्रोडेक्ट जैसे सोना, हीरे, घडियां आदि समान खरीदकर तथा बेचकर कम्पनी में काम करने पर भारी मुनाफा देने कुछ ही दिनों में करोडपति बनने के सपने दिखाया जाता है। जालसाज कौशिक डागर अपने साथ कुछ लोग जिनके नाम गुरदीप, विधन डांगर, गुरविन्दर सिंह, तपस धर, कलपेश, सतीश साब, गणेश बैरा है जिनमे से अधिक्तर लोग आर्मी बेकग्रउण्ड से है। जो अधिक्तर आर्मी के लोगो से सम्पर्क करते है इन लोगो द्वारा आम लोगो को 1.5 लाख रुपये मे कम्पनी को ज्वाइन करायी जाती है। यह लोग आम व्यक्तियों से कम्पनी सामान खरीदवाते है। यह खरीदारी आनलाईन गूगल मीट पर की जाती है, तथा पेमेन्ट हेतु लिक गुगल मीट के दौरान ही भेजा जाता है अधिक्तर यह पैमेन्ट डालर व बिटकॉईन मे की जाती है जब कोई आम व्यक्ति यह कम्पनी ज्वाईन कर लेता है, तथा मुनाफा नही हो पाता तो यह उसे और सामान खरीदने को कहते है तथा लोन दिलाने की पेशकश करते है। इस पूरे प्रकरण मे व्यक्ति इनके चगुँल मे पूरी तरह फँस जाता है। यह कम्पनी QNET/VIHAAN के नाम से खोली गई थी जिसके खिलाफ दिल्ली, राजस्थान तथा मेघालय में मामले दर्ज हैं।

**चेन स्नेचर मुठभेड़...**

एक व्यक्ति को पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर युवक बाइक को मोड कर भागने का प्रयास करने लगा।संदेह होने पर पुलिस टीम ने बाइक सवार का पीछा किया। भागने की हड़बड़ी में बाइक असंतुलित होकर बिजली के खंभे से टकराकर गिर गई। इसके बाद पुलिस टीम ने बाइक सवार को घेर लिया। खुद को घिरा देखकर बदमाश ने तमंचे से पुलिस पर फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया।

एडीसीपी ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान घायल हुए बदमाश की पहचान आमिर उर्फ दानिश पुत्र तुफैल अहमद निवासी शहीद नगर थाना साहिबाबाद गाजियाबाद के रूप में हुई। दानिश हाल में पुरानी सीमापुरी शाहदरा दिल्ली में रह रहा है। इसके पास से तमंचा, कारतूस, चोरी की बाइक व 50500 रुपए नगद बरामद हुए। बरामद पैसे आमिर ने लूटी गई चैन बेचने के बाद प्राप्त किए थे

एडीसीपी के मुताबिक आमिर उर्फ दानिश का एक लंबा आपराधिक इतिहास है। आमिर चोरी की बाइक पर सवार होकर चेन स्नेचिंग की घटनाओं को अंजाम देता है। उस पर दिल्ली व गौतमबुद्धनगर में 28 मुकदमे पंजीकृत हैं। पकड़े गए आमिर उर्फ दानिश ने नोएडा में चेन स्नेचिंग की कई घटनाओं को भी अंजाम देना स्वीकार किया है।

**बेटी के साथ जा रही...**

फोर्टिस अस्पताल भिजवाया यहां से उसे दिल्ली के एम्स ट्रॉमा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया एम्स में तारा को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में मृतका के भाई दूधनाथ ने क्रेन चालक के खिलाफ थाना सेक्टर 63 में मुकदमा दर्ज कराया है।

थाना दनकौर क्षेत्र के ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर अज्ञात वाहन ने पलवल से डासना की तरफ जा रहे ट्रक में टक्कर मार दी। इस हादसे में ट्रक ड्राइवर शेर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई।मृतक के भतीजे दशरथ ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ थाना दनकौर में मुकदमा दर्ज कराया है।

वहीं थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। रॉयल पार्क पूर्वांचल सोसाइटी से किशनपाल 15 जून को ड्यूटी खत्म कर साइकिल से अपने घर आ रहे थे। किशनपाल को एलजी गोल चक्कर के पास अज्ञात वाहन के चालक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में किशनपाल गंभीर रूप से घायल हो गए। किसी राजगीर ने इस घटना की सूचना एलजी गोल चक्कर पर उपस्थित ट्रैफिक पुलिस कर्मी को दी मौके पर पहुंचे ट्रैफिक पुलिस कर्मियों ने किशनपाल को शारदा अस्पताल में भर्ती कराया तीन दिन बाद 18 जून को कृष्णपाल की उपचार के दौरान मौत हो गई मृतक के बेटे प्रवीण कुमार ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ थाना नॉलेज पार्क में मुकदमा दर्ज कराया है

**झारखंड व प. बंगाल...**

बाइक पर आ रहे दो व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगे। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने बाइक सवारों का पीछा किया। पुलिस का शिकंजा कसता देखकर बदमाशों ने फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर गया जबकि उसका साथी फरार हो गया। एडीसीपी ने बताया कि घायल बदमाश की पहचान रोशन पुत्र जिरेन निवासी झारखंड के रूप में हुई। रोशन हाल में भंगेल में किराए पर रह रहा है। इसके पास से तमंचा,कारतूस व बाइक बरामद हुई । घायल बदमाश को उपचार के लिए भेज कर पुलिस ने दूसरे बदमाश की तलाश में कांबिंग की। कांबिंग के दौरान पुलिस ने धनंजय पुत्र अशोक निवासी मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल को भी चाकू के साथ दबोच लिया। उन्होंने बताया कि पकड़े गए दोनों आरोपी चोरी व लूट की घटनाओं को अंजाम देते थे। इनके अपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

**टायर चुराने वाले...**

10 एलॉय व्हील, दो जैक, टायर लीवर आदि बरामद हुए हैं।

ग्रेटर नोएडा जोन के एडीसीपी ने बताया कि आज तड़के थाना बीटा-2 पुलिस गश्त के दौरान गामा-1 सेक्टर में पहुंची। इस दौरान पुलिस कर्मियों को एक स्विफ्ट कार दूसरी कार के पास खड़ी दिखाई दी। स्विफ्ट कार में दो व्यक्ति बैठे थे जबकि दो अन्य व्यक्ति दूसरी कार के पास घूम रहे थे। पुलिस की पीसीआर को आता देखकर बाहर घूम रहे दोनों व्यक्ति जल्दी से कार में बैठने लगे। संदेह के आधार पर पुलिस ने उन्हें रुकने के लिए आवाज लगाई तो चारों स्विफ्ट कार से भाग निकले। पीसीआर कर्मियों ने तुरंत कंट्रोल रूम के माध्यम से बदमाशों का संदेह जताते हुए कार नंबर के बारे में सूचना दी। पुलिस टीम ने कार को डीपीएस चौराहे के पास घेर लिया। हड़बड़ी में बदमाशों की कार डिवाइडर से टकराकर रुक गई। कार रुकते ही चारों बदमाश उतरकर ग्रीन बेल्ट की तरफ भागते हुए पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश गोली लगने से घायल होकर गिर पड़े जबकि उनके दो साथी ग्रीन बेल्ट में छुप गए। घायल बदमाशों की पहचान मनोज पुत्र घनश्याम निवासी बदायूं व अंकित पुत्र प्रेम नारायण निवासी फिरोजाबाद के रूप में हुई। दोनों आरोपी हाल में मुबारकपुर गांव में रह रहे हैं। घायलों को अस्पताल पहुंचाकर पुलिस ने उनके फरार साथियों की तलाश में कांबिंग की।कांबिंग के दौरान पुलिस ने राहुल पुत्र रामकिशन व मनीष पुत्र शिवदान सिंह को दबोच लिया। एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों के पास से तमंचे, कारतूस व चाकू बरामद हुए हैं। इनकी निशानदेही पर चोरी किए गए 20 पहिए, एलॉय व्हील, जैक, टायर लीवर आदि बरामद हुए। उन्होंने बताया कि चारों आरोपी दिन के समय स्विफ्ट कार से घूम कर रेकी करते थे।रेकी करने के बाद रात्रि के समय यह घरों के बाहर खड़ी कारों के टायर चोरी कर फरार हो जाते थे। आरोपी चंद मिनट में ही कारों के टायरों को खोलकर अपनी डिग्गी में रखकर रफू चक्कर जाते थे। चोरी के टायरों को आरोपी जाकिर व हर्ष नामक व्यक्ति को बेच देते थे।

**मुठभेड़ में शातिर...**

सिंह पुलिस टीम के साथ चार मूर्ति से सूरजपुर जाने वाली सड़क पर चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान पुलिस टीम ने बाइक पर आ रहा व्यक्ति पुलिस को देखकर सर्विस रोड पर बाइक मोड कर भागने लगा। पुलिस ने बाइक सवार का पीछा किया तो हड़बड़ी में बाइक सवार नियंत्रण खो बैठा और बाइक स्लिप हो गई। बाइक के गिरते ही युवक ने पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया। जवाबी कार्रवाई में बाइक सवार बदमाश के गोली लगी और वह घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान पवन पुत्र महिपाल निवासी ग्राम जली थाना हरदुआगंज अलीगढ़ के रूप में हुई। बदमाश के पास से तमंचा, कारतूस, चोरी की स्प्लेंडर बाइक, चोरी का मोबाइल फोन व 5000 बरामद हुए। उन्होंने बताया कि पकड़ा गया आरोपी शातिर चोर है। इस पर गाजियाबाद गौतमबुद्धनगर में विभिन्न आरोपों में 14 मुकदमे पंजीकृत हैं।

**खास खबर**

## पॉवेल ने गेल को पीछे छोड़ा

**सेंट किट्स ।** वेस्टइंडीज के रोवमैन पॉवेल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में 22 गेंदों पर ही 28 रन बनाकर अपने ही देश के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर क्रिस गेल को भी पीछे छोड़ दिया है। पॉवेल अब वेस्टइंडीज के लिए टी20 प्रारुप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। वहीं गेल तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। पॉवेल ने अपने टी20 करियर में 99 मैचों में 25.66 की औसत के साथ ही 1925 रन बनाए हैं। वहीं गेल ने 79 मैचों में 1899 रन बनाए थे। वहीं पहले नंबर पर पूर्व कप्तान निकोलस पूरन हैं। पूरन ने अब तक 2275 रन बनाये हैं। पूरन वेस्टइंडीज के उन खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने 100 से अधिक टी20 मैच खेले हैं। वह वेस्टइंडीज के लिए इस प्रारुप में 2000 से अधिक रन बनाने वाले भी एकमात्र बल्लेबाज हैं। उन्होंने यह रन 106 मैचों में 26.14 की औसत के साथ बनाए हैं। एविन लुईस 1782 रनों के साथ ही चौथे और ब्रेंडन किंग 1648 रनों के साथ ही पांचवे नंबर पर हैं।

## नेहल, सिद्धिक्षा और आरवी ने दर्ज की जीत

**इंदौर ।** एमरल्ड हाइट्स वर्ल्ड स्कूल में जिला शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित अंतर विद्यालयीन टेबल टेनिस स्पर्धा में युवा खिलाड़ियों ने अपना दम दिखाया। एमरल्ड हाइट्स वर्ल्ड स्कूल की नेहल नाहर, सिद्धिक्षा जैन, अराध्या राजपूत और डेली कॉलेज की आरवी जैन ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर तालिका में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। बलियाखेड़ा स्थित एमरल्ड हाइट्स वर्ल्ड स्कूल में चल रही इस स्पर्धा में शहर के विभिन्न स्कूलों की बालिकाएं विभिन्न आयु वर्गों में अपनी चुनौती पेश कर रही हैं। रविवार को खिलाड़ियों को विश्राम दिया गया है, जबकि शेष मुकाबले सोमवार को फिर से शुरू होंगे। अंडर-14 बालिका वर्ग में नेहल नाहर ने सेंट अर्नाल्ड स्कूल की आकांक्षा ठाकुर को 3-1 से हराया। एमरल्ड हाइट्स वर्ल्ड स्कूल की सिद्धिक्षा जैन ने एनडीपीएस की सरवनी पटवर्धन को 3-0 से मात दी, जबकि डेली कॉलेज की आरवी जैन ने शिशुकुंज स्कूल की दिव्यांशी चतुर्वेदी को 3-0 से पराजित किया।

## एशिया कप का कार्यक्रम घोषित

**लाहौर ।** एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने एशिया कप 2025 के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। एशिया कप का आयोजन 9 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएंगा। इस टूनार्मेंट में भारत और पाकिस्तान दोनों ही टीमें एक ही ग्रुप में रखी गयी हैं। दोनो का ग्रुप चरण का मुकाबला 14 सितंबर को दुबई में रखा गया है। दोनों टीमों के बीच इस टूनार्मेंट में तीन बार मुकाबले की संभावना हैं। पहला मैच 14 सितंबर को ग्रुप चरण में, दूसरा 21 सितंबर को सुपर-4 चरण में और तीसरा मैच फाइनल में होने की संभावना है। भारतीय टीम अपना पहला मैच 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ खेलेगी। इसमें भारत, पाकिस्तान, यूएई और ओमान को ग्रुप ए में जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हांगकांग को ग्रुप बी में रखा गया है।

# ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराया

**चौथा टी20**

- सीरीज में 4-0 से अजेय बढ़त
- वेस्टइंडीज दौरे पर ऑस्ट्रेलिया की लगातार जीत

एजेंसी

**बस्सेटेरे ।** ऑस्ट्रेलियाई टीम की वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार जीत का सिलसिला जारी है। मेहमान टीम ने वेस्टइंडीज को चौथे टी20 मैच में तीन विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 4-0 से अजेय बढ़त बना ली है। सेंट किट्स और नेविस के बस्सेटेरे में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने 20 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 205 रन का बड़ा स्कोर बनाया। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने इस लक्ष्य को 19.2 ओवर में सात विकेट खोकर 206 रन बनाते हुए हासिल कर लिया है। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया को पहले ही ओवर में कप्तान मिचेल मार्श के रूप में बड़ा झटका लगा। मार्श खाता भी नहीं खोल पाए। हालांकि, इसके बाद जोश इंगलिस और ग्लेन मैक्सवेल ने पारी को ताबड़तोड़ अंदाज में आगे बढ़ाया। मैक्सवेल ने 18 गेंदों में 6 छक्के और एक चौके की मदद से ताबड़तोड़ 47 रन बनाए और इंगलिस ने 30 गेंदों में 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 51 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। इन दोनों का विकेट गिरने के बाद कैमरून ग्रीन ने मोर्चा संभाला और 35 गेंदों में 3 चौके और इतने ही छक्कों की मदद से नाबाद 55 रन की पारी खेलते हुए टीम को जीत दिला दी। इन बल्लेबाजों के अलावा आरोन हार्डी ने 16 गेदों पर 23 की उपयोगी पारी खेली।वेस्टइंडीज की ओर से जेडियाह ब्लेड्स ने तीन विकेट लिए, जबकि जेसन होल्डर, रोमारियो शेफर्ड और अकील होसेन ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले वेस्टइंडीज ने नौ विकेट के नुकसान पर 205 रन का स्कोर बनाया। टीम के बल्लेबाजों ने शुरूआत तो तेजी से की, लेकिन लगातार अंतराल पर विकेट भी गरते रहे। इससे टीम के 67 रन के स्कोर तक चार विकेट गिर गए। ब्रैंडन किंग 18 रन, कप्तान शाई होप 10 रन, शेरफेन रदरफोर्ड 31 रन और रोस्टन चेज बिना खाता खोले आउट हुए। बाद में रोवमैन पॉवेल ने शिमरोन हेटमायर के साथ 43 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला। हेटमायर 16 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि पॉवेल 28 रन की पारी खेलकर आउट हुए। इनके अलावा रोमारियो शेफर्ड ने 28 रन, जेसन होल्डर ने 26 रन, मैथ्यू फोर्ड ने 15 रन और अकील होसेन ने 16 रन जोड़े। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जम्पा ने तीन विकेट लिए, जबकि आरोन हार्डी, जेवियर बार्टलेट और सीन एबॉट ने 2-2 विकेट लिए। वेस्टइंडीज दौरे पर पहुंची ऑस्ट्रेलियाई टीम अभी तक एक भी मैच नहीं हारी है। दौरे की शुरूआत टेस्ट सीरीज से हुई थी, जिसे मेहमान टीम ने 3-0 से अपने नाम किया। अब पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी ऑस्ट्रेलिया ने 4-0 की अजेय बढ़त बना ली है।

# दुनिया की 31 क्रिकेट लीग में भारतीयों की हिस्सेदारी

- अमेरिका बना दूसरा सबसे बड़ा केंद्र

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** क्रिकेट अब सिर्फ टेस्ट खेलने वाले 12 देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह खेल 23 देशों तक फैल चुका है और इसकी सबसे बड़ी ताकत बनी हैं फ्रेंचाइजी लीग्स। इनमें भारत की भूमिका बेहद अहम है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 48 क्रिकेट लीग्स आयोजित होती हैं, जिनमें से 31 में किसी न किसी रूप में भारत का योगदान है। इनमें आईपीएल सबसे बड़ी और सबसे सफल लीग के रूप में जानी जाती है, जिसने विश्व क्रिकेट की आर्थिक संरचना को ही बदल दिया है। भारतीय क्रिकेटर्स भले ही विदेशी लीगों में खेलने से वंचित हों, लेकिन पूर्व खिलाड़ी, अभिनेता, ब्रॉडकास्टर, निवेशक और भारतीय मूल के क्रिकेटर दुनिया की कई लीग में सक्रिय हैं। भारत के बाद अमेरिका क्रिकेट लीग्स का दूसरा सबसे बड़ा हब बन गया है, जहां कुल 11 लीग्स खेली जाती हैं। भारत में 21 लीग्स और अमेरिका में 11 लीग्स होने का यह आंकड़ा इस बात की गवाही देता है कि भारत का क्रिकेट से जुड़ा निवेश वैश्विक हो चुका है। इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के को-फाउंडर सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर जैसे दिग्गज इसमें अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। अभिषेक बच्चन यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग में हिस्सेदार हैं, तो युवराज सिंह कनाडा, शिखर धवन नेपाल और सुरेश रैना कतर की लीग में खेल चुके हैं। इस तरह भारतीयों की मौजूदगी मैदान के भीतर और बाहर दोनों जगह दिखती है। आईसीसी द्वारा मान्यता प्राप्त केवल 12 टेस्ट नेशन हैं, लेकिन क्रिकेट का व्यावसायिक स्वरूप 23 देशों तक पहुंच चुका है, जिसमें स्पेन, मलेशिया, हॉन्गकॉन्ग, कतर जैसे नाम शामिल हैं। भारत में भी आईपीएल के बाद से 15 राज्य स्तरीय टी20 लीग्स की शुरूआत हुई है, जिससे घरेलू प्रतिभाओं को मंच और दर्शकों को रोमांच मिल रहा है।

# आंचल की बेटियों ने जीते 6 स्वर्ण पदक

एजेंसी

**इंदौर ।** शिव कर्मस्थली सोशल वेलफेयर सोसायटी द्वारा सांईकृपा कॉलोनी में संचालित निर्धन बालिकाओं के आश्रय स्थल आंचल की बेटियों ने भोपाल में आयोजित 11वीं जी-जित्सु कराटे की राज्य स्तरीय स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन किया है। इन बालिकाओं ने 6 स्वर्ण और 1 रजत पदक जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है, जिससे इंदौर और अपनी संस्था का नाम रोशन हुआ है। आंचल की संचालक सुमित्रा मिश्रा ने बताया कि इन बालिकाओं ने विशाल बोकरे और दीपक खरे से कराटे का तथा वीरेंद्र निशित से कुश्ती का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। पदक जीतने वाली बालिकाओं में परी सोलंकी, गायत्री निरोले, और सुमित्रा सोलंकी शामिल हैं, जिन्होंने अपने-अपने आयु वर्ग में दो-दो स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं, वंशिका कुशवाह ने एक रजत पदक जीता। इन बेटियों की इस उल्लेखनीय सफलता पर इंदौर जी-जित्सु संघ के अध्यक्ष अशोक सेन, सचिव मोनालिसा यादव, और प्रशिक्षक लक्ष्मी चौहान तथा दिलजीत कौर ने बधाई दी है। इसके साथ ही, चंद्रपाल व्यायामशाला, मालवा मिल के मनोज सोमवंशी, अर्जुन ठाकुर, शुभम ठाकुर, राजू ठाकुर, राजेश मेहरा सहित सभी स्नेहीजनों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

# कुलदीप को बल्लेबाजी संतुलन की भेंट चढ़ा रहे चयनकर्ता: मोर्कल

एजेंसी

**नई दिल्ली।** मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान जब इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजी की धज्जियां उड़ाईं, तब हर किसी को स्पिनर कुलदीप यादव की कमी खली। सीरीज में अब तक एक भी मैच न खेलने वाले कुलदीप की चर्चा हर मुकाबले से पहले होती है, लेकिन टीम चयन में उन्हें लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में तीन मैचों के बाद भारत 2-1 से पीछे है और चौथे टेस्ट में इंग्लैंड ने पहली पारी में 544 रन ठोक डाले, जिससे कुलदीप की गैरमौजूदगी पर सवाल और भी तेज हो गए। तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कुलदीप को न खिलाने की असल वजह स्पष्ट की। मोर्कल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि टीम प्रबंधन गेंदबाजी से ज्यादा बल्लेबाजी लाइन-अप को मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है। उनका कहना था कि टीम ने पिछले मैचों में कई बार बल्लेबाजी में जल्दी विकेट गंवाए हैं, इसलिए संतुलन बनाए रखने के लिए लंबे बल्लेबाजी क्रम की जरूरत महसूस की गई। उन्होंने माना कि कुलदीप विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं और शानदार फॉर्म में हैं, लेकिन फिलहाल टीम संयोजन में उन्हें फिट कर पाना मुश्किल हो रहा है।

## डब्यूसीएल अंक तालिका में पाक शीर्ष पर

**लंदन ।** यहां जारी पूर्व क्रिकेटरों की वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्यूसीएल) में जहां पाकिस्तान चैम्पियंस की टीम नंबर एक पर पहुंच गयी है। वहीं इंडिया चैम्पियंस टीम सबसे निचले क्रम पर है। पाक चैम्पियंस ने वेस्टइंडीज चैम्पियंस को हराकर अपना लगातार तीसरा मैच जीतने के साथ ही सेमीफाइनल के लिए अपनी संभावनाएं पक्की की हैं। इस जीत के बाद पाक के 4 मैचों में 7 अंक हो गए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका चैम्पियंस टीम है। पाक के खिलाफ पिछले मैच में मिली हार के बाद उसके 4 मैचों में 6 अंक है। वहीं इंडिया चैम्पियंस अब तक एक भी मैच नहीं जीती है। भारतीय टीम अपने तीसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया चैम्पियंस से 4 विकेट से हारी थी। पाक चैम्पियंस के खिलाफ पहला मैच रद्द होने के बाद इंडिया चैम्पियंस की यह लगातार दूसरी हार है।

# भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने पर वित्तीय सहायता की घोषणा

एजेंसी

**महाबलीपुरम ।** हॉकी इंडिया ने रविवार को ऐतिहासिक शहर महाबलीपुरम में अपनी 15वीं हॉकी इंडिया कांग्रेस का सफलतापूर्वक आयोजन किया। भारतीय हॉकी की गौरवशाली यात्रा के एक शताब्दी पूरे होने के उपलक्ष्य में, इस सत्र में कई ऐतिहासिक घोषणाएँ हुईं, जिनमें 7 नवंबर 2025 को राष्ट्रव्यापी हॉकी उत्सव और राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर हॉकी के विकास के लिए पर्याप्त वित्तीय सहायता शामिल है।

भारतीय हॉकी की विरासत 1925 में अपनी पहली राष्ट्रीय शासी संस्था के गठन के साथ शुरू हुई। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के उपलक्ष्य में, हॉकी इंडिया 7 नवंबर 2025 को एक अभूतपूर्व, राष्ट्रव्यापी समारोह का आयोजन करेगा। इस आयोजन में एक साथ 1,000 मैच खेले जाएँगे - देश के प्रत्येक जिले में एक पुरुष और एक महिला मैच - जिसमें 36,000 से ज्यादा खिलाड़ी (18,000 पुरुष और 18,000 महिलाएँ) हिस्सा लेंगे। यह विशाल पहल देश के कोने-कोने से खिलाड़ियों को एक साथ लाएगी, जो न केवल भारत की एकता और विविधता को दशार्ता है, बल्कि हॉकी के प्रति निरंतर प्रेरित करने वाले जुनून को भी दशार्ता है। भारतीय हॉकी के पारिस्थितिकी तंत्र को और सशक्त बनाने के एक दूरदर्शी कदम के तहत, हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय और जमीनी स्तर के आयोजनों के लिए वित्तीय अनुदान में उल्लेखनीय वृद्धि की घोषणा की है। सीनियर पुरुष और सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए 70 लाख, जूनियर पुरुष, जूनियर महिला, सब-जूनियर पुरुष और सब-जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए 30 लाख, जिला और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए प्रत्येक राज्य को 25 लाख। इन बढ़े हुए अनुदानों का उद्देश्य बुनियादी ढाँचे को मजबूत करना, आयोजन की गुणवत्ता में सुधार करना और स्थानीय स्तर पर वित्तीय बाधाओं को कम करके व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस सहायता से हजारों उभरते खिलाड़ियों, कोचों और जमीनी स्तर के अधिकारियों को लाभ मिलने की उम्मीद है, जो भारतीय हॉकी के भविष्य की रीढ़ हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा कि भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए, हम न केवल अपनी स्वर्णिम विरासत का सम्मान कर रहे हैं, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत नींव भी रख रहे हैं। यह राष्ट्रव्यापी उत्सव भारतीय हॉकी को आगे बढ़ाने वाले हर खिलाड़ी, कोच और प्रशंसक को हमारी श्रद्धांजलि है। हम जिस वित्तीय सहायता की घोषणा कर रहे हैं, वह अगली पीढ़ी के सपनों में एक सीधा निवेश है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि संसाधनों की कमी के कारण कोई भी प्रतिभा पीछे न छूटे।

# क्रिकेट से दूर रहकर भी करोड़ों की कमाई कर रहे हैं चहल

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** टीम इंडिया से लगभग दो साल से बाहर चल रहे अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह क्रिकेट नहीं, बल्कि उनकी निजी जिंदगी है। हाल ही में चहल इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलते नजर आए और उसके बाद वह अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड आरजे महवश के साथ लंदन की सड़कों पर घूमते दिखाई दिए। दोनों की एकसाथ कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिससे उनके रिश्ते की चर्चाएं और तेज हो गई हैं। क्रिकेट से दूर रहने के बावजूद चहल की कमाई में कोई कमी नहीं आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 35 वर्षीय चहल की कुल संपत्ति करीब 45 करोड़ रुपये है। वह बीसीसीआई के सालाना अनुबंध में ग्रेड सी के तहत थे, जिससे उन्हें एक करोड़ रुपये तक की सैलरी मिलती थी, हालांकि अब वह उस कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा नहीं हैं। फिर भी, विज्ञापन और निजी निवेशों के जरिए चहल हर महीने लाखों की कमाई कर रहे हैं। वह इनकम टैक्स विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर भी कार्यरत हैं, जहां उनकी सैलरी करीब 44,900 से 1,42,400 रुपये मासिक मानी जाती है। चहल का गुरुग्राम में एक आलीशान घर भी है जिसकी कीमत लगभग 25 करोड़ रुपये है। इसके अलावा उन्होंने हाई टाइम्स सॉल्यूशंस की चेकमेट सर्विस, ग्रिप फिटनेस ऐप और यूजो फैशन ब्रांड में भी निवेश कर रखा है। चहल ने 13 अगस्त 2023 को आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला था। उन्होंने अपने करियर में 72 वनडे में 121 और 80 टी20 में 96 विकेट झटके हैं। वहीं, आईपीएल में वह अब तक 174 मैचों में 221 विकेट ले चुके हैं, जो एक रिकॉर्ड है।

# शोकफ के 23 कारटेकरों को ब्लैक बेल्ट व विभिन्न डान ग्रेड किया गया प्रदान

एजेंसी

**रांची ।** शोतोकान कराटे डो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में रातू रोड ,राँची स्थित अरविंदो सोसाइटी कराटे सेंटर में ब्लैक बेल्ट ग्रेडेशन का आयोजन किया गया। इस बेल्ट ग्रेडेशन में शोतोकान कराटे डो फेडरेशन ऑफ इंडिया के झारखंड राज्य के 19 कराटेकारो ने ब्लैक बेल्ट,1 ने ब्लैक बेल्ट द्वितीय डान,2 ने तृतीय डान एवं 1 ने चतुर्थ डान की परीक्षा में सफल हुए। शोतोकान कराटे डो फेडरेशन ऑफ इंडिया के मुख्य कराटे प्रशिक्षक एवं मुख्य टेक्निकल डायरेक्टर हँसी मानस सिन्हा द्वारा ब्लैक बेल्ट ग्रेडेशन टेस्ट लिया गया। ग्रेडेशन में सहयोग कियोशी नरेंद्र सिन्हा एवं शिहान रंजीत मेहता ने किया। उत्तीर्ण होने वाले सभी करटेकरों को अरबिन्द सोसाइटी हेसल ब्रांच के सचिव रमेश भाई के द्वारा मोमेंटो एवं हांशी मानस सिन्हा द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस मौके पर हांशी मानस सिन्हा द्वारा कराटे के सीखने के फैयदे के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। यह भी बताया गया की आज के दिन में कराटे सेल्फ डिफेंस के साथ साथ एक अच्छा स्पोर्ट्स भी है। इस मौके पर कराटे प्रशिक्षक शिहान राज किशोर, सेंसाई बबलू कुमार , पवन केशरी उपस्थित हुए।

# कारगिल नायकों के सम्मान में संडे ऑन साइकिल अभियान आयोजित

- 800 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया भाग
- स्वस्थ, फिट भारत को बढ़ावा देने के दोहरे मिशन में किया एकजुट

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार को गुजरात के अहमदाबाद में कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में फिटनेस और देशभक्ति की भावना का जश्न मनाते हुए 'संडे ऑन साइकिल' अभियान का नेतृत्व किया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ), राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस), गुजरात विद्यापीठ के कर्मियों, स्थानीय साइकिलिंग समूहों और फिटनेस प्रेमियों सहित 800 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

'संडे ऑन साइकिल' पहल एक साथ 6,000 से अधिक स्थानों पर आयोजित करके लोगों को कारगिल युद्ध के नायकों को सलाम करने तथा एक स्वस्थ, फिट भारत को बढ़ावा देने के दोहरे मिशन में एकजुट किया गया। खेल मंत्री डॉ. मांडविया ने कहा कि हर साल 26 जुलाई को हम कारगिल विजय दिवस पर अपने सैनिकों की बहादुरी का सम्मान करते हैं। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए आज हमने गर्व के साथ अपने सशस्त्र बलों के साथ 'संडे ऑन साइकिल' अभियान में हाथ मिलाया है। मुझे अपने वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए हमारे सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों के साथ साइकिल चलाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि एक विकसित भारत का विजन स्वस्थ भारत से शुरू होता है। जब लोग शारीरिक रूप से फिट होते हैं, तो उनका मानसिक और भावनात्मक लचीलापन भी बढ़ता है और ऐसे व्यक्तियों से बना राष्ट्र अजेय बन जाता है। फिटनेस केवल शरीर के बारे में नहीं है, यह जीवन जीने का एक तरीका है जो अनुशासन, ध्यान और उद्देश्य को बढ़ावा देता है। मैं प्रत्येक नागरिक से आग्रह करता हूं कि वह प्रतिदिन कम से कम एक घंटा साइकिल चलाने या शारीरिक गतिविधि के लिए समर्पित करें। जब हम एक साथ चलते हैं, तो हम एक साथ बढ़ते हैं। एक फिट भारत एक एकजुट भारत है और साथ मिलकर हम एक मजबूत, स्वस्थ, अधिक आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करेंगे।

इधर, दिल्ली में यह कार्यक्रम कनॉट प्लेस में आयोजित किया गया। यहां ₹संडे ऑन साइकिल₹ कार्यक्रम में 1,000 से ज्यादा लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में शामिल कारगिल युद्ध के पूर्व सैनिक कर्नल बख्शी ने कहा कि इस पहल ने हर उम्र के लोगों को एक साथ लाया है। लगभग 70 साल की उम्र में मुझे इतनी प्रेरणादायक चीज का हिस्सा बनकर गर्व महसूस हो रहा है।

अमेरिका में डीसी ओपन टेनिस में अमेरिका की अना केलिनसकाया मैच अंक मिलने पर उत्साहित होती हुई।

# श्रावण मास पर रुद्र के माहात्म्य

**सावन में रुद्राभिषेक की परंपरा है। शिवजी को रुद्र इसलिए कहा जाता है, क्योंकि मान्यता है कि वे रुत अर्थात दैहिक, दैविक और भौतिक दुखों का नाश करते हैं। श्रावण मास पर रुद्र के माहात्म्य पर आलेख..**

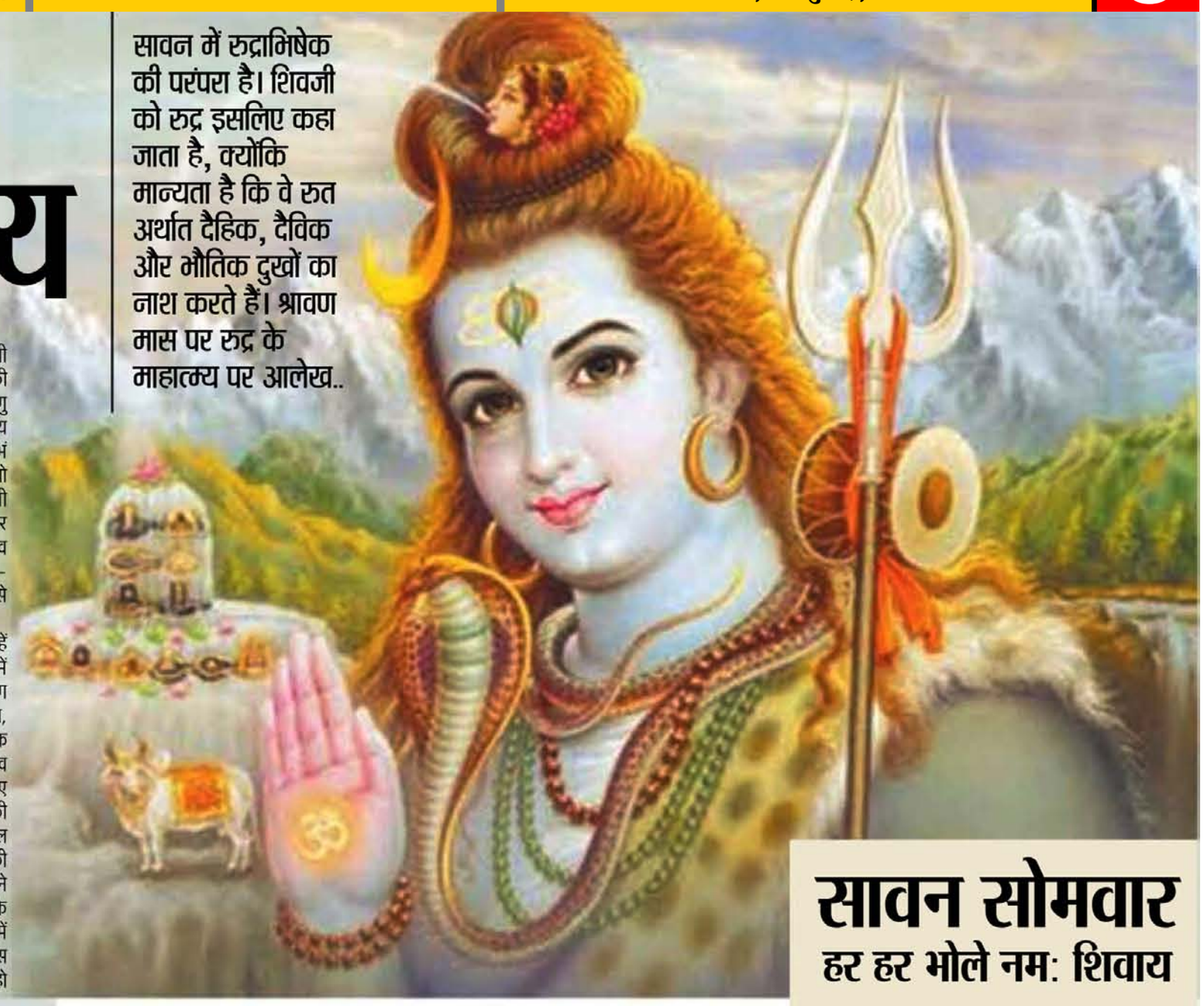

वेद सर्वाधिक प्राचीन ग्रंथ माने जाते हैं। शास्त्रों के अनुसार, वेद- शिव- शिवो वेद- यानी वेद शिव हैं और शिव वेद हैं। अर्थात शिव वेदस्वरूप हैं। इसके साथ ही वेद को भगवान सदाशिव का निःश्वास बताते हुए उनकी स्तुति में कहा गया है – यस्य निःश्वसितं वेदायो वेदेभ्योखिलं जगत। निर्ममे तमहं वंदे विद्यातीर्थ महेश्वरम।। अर्थात वेद जिनके निःश्वास हैं, जिन्होंने वेदों के माध्यम से संपूर्ण सृष्टि की रचना की है और जो समस्त विद्याओं के तीर्थ हैं, ऐसे देवों के देव महादेव की मैं वंदना करता हूं। सनातन संस्कृति में वेदों की तरह शिव जी को भी अनादि कहा गया है।

वेदों में साम्ब सदाशिव को रुद्र नाम से पुकारा गया है। शिवजी को रुद्र इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये रुत अर्थात दुख को दूर कर देते हैं। जो दैहिक, दैविक और भौतिक दुखों का नाश करते हैं, वे रुद्र हैं। इसीलिए उन्होंने त्रिशूल धारण किया है। रुद्रहृदयोपनिषद कहता है, सर्वदेवात्मको रुद्र- अर्थात रुद्र सर्वदेवमय हैं। अथर्व शिखोपनिषद भी इसका समर्थन करता है – रुद्रो वै सर्वा देवता अर्थात रुद्र समस्त देवताओं का स्वरूप हैं। यजुर्वेद के रुद्राध्याय में रुद्रोपासना का विधान मिलता है। इसमें रुद्र शब्द के सौ पर्यायवाची नामों का उल्लेख होने से इसे शतरुद्री भी कहते हैं। माना जाता है कि शतरुद्री के माहात्म्य का उपदेश महर्षि याज्ञवल्क्य ने राजा जनक को दिया था। श्वेताश्वतरोपनिषदके अनुसार, महाप्रलय के समय एकमात्र रुद्र ही विद्यमान रहते हैं। श्रुतियों से यह तथ्य विदित होता है कि रुद्र ही परमपुरुष यानी आदिदेव साकार बहमा हैं, जिनके द्वारा ही सृष्टि की रचना, पालन और संहार होता है। ब्रहमा, विष्णु और महेश इनकी त्रिमूर्ति हैं। रुद्र का परिचय शास्त्रों में इस प्रकार भी दिया गया है – अशुभं द्रावयन् रुद्रो यज्जाहार पुनर्भवम। ततः स्मृताभिधो रुद्रशब्देनात्राभिधीयते।। अर्थात जो प्राणी जीवनकाल में सब अनिष्टों को दूर करते हैं और शरीर त्यागने पर मुक्ति प्रदान करते हैं, वे सदाशिव रुद्र के नाम से जाने जाते हैं। इसी कारण दुखों- कष्टों से मुक्ति तथा सद्गति प्राप्त करने के उद्देश्य से मनुष्य रुद्रोपासना करता आया है।

रुद्र को अभिषेकप्रिय रुद्र कहा गया है, यानी उन्हें अभिषेक पसंद है। इसीलिए सावन के महीने में रुद्र का अभिषेक किया जाता है। सामान्यतः लोग जल द्वारा अभिषेक करते हैं, तो सामर्थ्यवान दूध, दही, शहद आदि विभिन्न द्रव्यों से उनका अभिषेक करते हैं। मान्यता है कि श्रावण मास में भगवान शिव ने समुद्र मंथन से उत्पन्न विष को जनकल्याण के लिए पिया था, तब इंद्र ने शीतलता देने के लिए वर्षा की थी, इसी कारण श्रावण मास में शिव जी को जल अर्पित करने की परंपरा शुरू हुइ। भगवान शंकर की शक्ति पार्वती पर्वतराज हिमालय की पुत्री हैं। हमने पर्वतीय क्षेत्र को जो क्षति पहुंचाई है, उसके विनाशकारी परिणाम दिखाई देते हैं। इसलिए हमें हिमालय की पवित्रता बनाए रखने का संकल्प इस सावन में लेना चाहिए, तभी शिवार्चन सफल हो सकेगा और शिव हमेशा कल्याणकारी होंगे।

## सावन सोमवार
### हर हर भोले नमः शिवाय

सावन और शिव का भारतीय संस्कृति से गहरा मेल है। सावन के झूलों से लेकर सावन सोमवार की बेलपत्री तक..सब कुछ मानो भावनाओं को हरा-भरा कर देने वाला। सावन के आते ही शिव भक्तों में पूजा अर्चना के लिए नई उमंग का संचार हो गया है। चारों ओर गूंजने लगे हैं बोल बम.. के जयकारे और हरे व केसरिया रंग से धरती पट सी गई है। सावन सोमवार को शिवालयों में सुबह से शाम तक भक्तों का तांता लगा रहेगा। हर कोई भोले से वरदान मांगने पहुंच जाता है उनके द्वार। शास्त्रों और पुराणों का कहना है कि श्रावण मास भगवान शंकर को अत्यंत प्रिय है। इस माह में शिवार्चना के लिए प्रमुख सामग्री बेलपत्र और धतूरा सहज सुलभ हो जाता है। सच पूछा जाए तो भगवान शिव ही ऐसे देवता है, जिनकी पूजा-अर्चना के लिए सामग्री को लेकर किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती। अगर कोई सामग्री उपलब्ध न हो तो जल ही काफी है। भक्ति भाव के साथ जल अर्पित कीजिए और भगवान शिव प्रसन्न।

जल चढ़ाओ और जो चाहे मांग लो

शास्त्रों के अनुसार श्रावण मास भगवान शकर को विशेष प्रिय है। अतः इस मास में आशुतोष भगवान शकर की पूजा का विशेष महत्व है। सोमवार शकर का प्रिय दिन है। इसलिए श्रावण सोमवार का और भी विशेष महत्व है। भगवान शकर का यह व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। इस मास में लघुरुद्र, महारुद्र अथवा अतिरुद्र पाठ करके प्रत्येक सोमवार को शिवजी का व्रत किया जाता है। प्रातः काल गगा या किसी पवित्र नदी सरोवर या घर पर ही विधि पूर्वक स्नान करने का विधान है। इसके बाद शिव मदिर जाकर या घर में पार्थिव मूर्ति बना कर यथा विधि से रुद्राभिषेक करना अत्यत ही फलदायी है। इस व्रत में श्रावण महात्म्य और विष्णु पुराण कथा सुनने का विशेष महत्व है।

## ऐसे करें शिव को प्रसन्न

श्रावण मास में आने वाले सोमवार के दिनों में भगवान शिवजी का व्रत करना चाहिए और व्रत करने के बाद भगवान श्री गणेश जी, भगवान शिवजी, माता पार्वती व नन्दी देव की पूजा करनी चाहिए। पूजन सामग्री में जल, दुध, दही, चीनी, घी, शहद, पंचामृत,मोली, वस्त्र, जनेऊ, चन्दन, रोली, चावल, फूल, बेल-पत्र, भा ंग, आक-धतूरा, कमल,गट्टा, प्रसाद, पान-सुपारी, लौंग, इलायची, मेवा, दक्षिणा चढाया जाता है। इस दिन धूप दीया जलाकर कपूर से आरती करनी चाहिए। व्रत के दिन पूजा करने के बाद एक बार भोजन करना चाहिए। और श्रावण मास में इस माह की विशेषता का श्रवण करना चाहिए।

### श्रावण मास शिव उपासना महत्व

भगवान शिव को श्रावण मास सबसे अधिक प्रिय है। इस माह में प्रत्येक सोमवार के दिन भगवान श्री शिव की पूजा करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। इस मास में भक्त भगवान शकर का पूजन व अभिषेक करते है। सभी देवों में भगवान शकर के विषय में यह मान्यता प्रसिद्ध है, कि भगवान भोलेनाथ शीघ्र प्रसन्न होते है। एक छोटे से बिल्वपत्र को चढ़ाने मात्र से तीन जन्मों के पाप नष्ट होते है।

श्रावण मास के विषय में प्रसिद्ध एक पौराणिक मान्यता के अनुसार श्रावण मास के सोमवार व्रत, एक प्रदोष व्रत तथा और शिवरात्री का व्रत जो व्यक्ति करता है, उसकी कोई कामना अधूरी नहीं रहती है। 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के समान यह व्रत फल देता है।

इस व्रत का पालन कई उद्देश्यों से किया जा सकता है। महिलाएं श्रावण के 16 सोमवार के व्रत अपने वैवाहिक जीवन की लंबी आयु और संतान की सुख-समृद्धि के लिये करती है, तो यह अविवाहित कन्याएं इस व्रत को पूर्ण श्रद्धा से कर मनोवांछित वर की प्राप्ति करती है। सावन के 16 सोमवार के व्रत कुल वृद्धि, लक्ष्मी प्राप्ति और सुख -सम्मान के लिये किया जाता है।

### शिव पूजन में बेलपत्र प्रयोग करना

भगवान शिव की पूजा जब बेलपत्र से की जाती है, तो भगवान अपने भक्त की कामना बिना कहे ही पूरी करते है. बिल्व पत्र के बारे में यह मान्यता प्रसिद्ध है, कि बेल के पेड़ को जो भक्त पानी या गंगाजल से सींचता है, उसे समस्त तीथरें की प्राप्ति होती है। वह भक्त इस लोक में सुख भोगकर, शिवलोक में प्रस्थान करता है। बिल्व पत्थर की जड़ में भगवान शिव का वास माना गया है। यह पूजन व्यक्ति को सभी तीथरें में स्नान करने का फल देता है।

### सावन माह व्रत विधि

सावन के व्रत करने से व्यक्ति को सभी तीथरें के दर्शन करने से अधिक पुन्य फल प्राप्त होते है। जिस व्यक्ति को यह व्रत करना हो, व्रत के दिन प्रातः काल में शीघ्र सूर्योदय से पहले उठना चाहिए। श्रावण मास में केवल भगवान श्री शकर की ही पूजा नहीं की जाती है, बल्कि भगवान शिव की परिवार सहित पूजा करनी चाहिए। सावन सोमवार व्रत सूर्योदय से शुरु होकर सूर्यास्त तक किया जाता है। व्रत के दिन सोमवार व्रत कथा सुननी चाहिए। तथा व्रत करने वाले व्यक्ति को दिन में सूर्यास्त के बाद एक बार भोजन करना चाहिए।

प्रातःकाल में उठने के बाद स्नान और नित्यक्रियाओं से निवृत होना चाहिए। इसके बाद सारे घर की सफाई कर, पूरे घर में गंगा जल या शुद्ध जल छिड़कर, घर को शुद्ध करना चाहिए। इसके बाद घर के ईशान कोण दिशा में भगवान शिव की मूर्ति या चित्र स्थापित करना चाहिए। मूर्ति स्थापना के बाद सावन मास व्रत संकल्प लेना चाहिए।

## श्रीमल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के दर्शन से पूरी होती हैं मनोकामनाएं

दक्षिण भारत में कैलाश के नाम से मशहूर आंध्र प्रदेश का श्रीमल्लिकार्जुन मंदिर भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह ज्योतिर्लिंग कृष्णा नदी के तट पर श्रीसैलम नाम के पर्वत पर स्थित है। ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर के दर्शन करने से सात्विक मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

### श्रीमल्लिकार्जुन का पौराणिक महत्व

एक बार भगवान शिव और पार्वती के पुत्र कार्तिकेय स्वामी और गणेश अपने विवाह के लिए आपस में कलह करने लगे। कार्तिकेय का मानना था कि वे बड़े हैं, इसलिए उनका विवाह पहले होना चाहिए, किन्तु श्री गणेश अपना विवाह पहले कराने को लेकर जिद्द पर अड़े थे। जब दोनों के झगड़े की वजह पिता महादेव और माता पार्वती को पता लगी तो उन्होंने इस झगड़े को खत्म करने के लिए कार्तिकेय और गणेश के सामने एक प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि तुम दोनों में जो कोई भी पृथ्वी की परिक्रमा करके पहले यहां आ जाएगा, उसी का विवाह पहले होगा। शर्त सुनते ही कार्तिकेय जी पृथ्वी की परिक्रमा करने के लिए दौड़ पड़े लेकिन गणेशजी के लिए तो यह कार्य बड़ा ही कठिन था।

गणेश जी शरीर से स्थूल किन्तु बुद्धि के सागर थे। उन्होंने एक उपाय सोचा और अपनी माता पार्वती तथा पिता देवाधिदेव महेश्वर से एक आसन पर बैठने का आग्रह किया। गणेश ने उनकी सात परिक्रमा की। इस तरह से वह पृथ्वी की परिक्रमा से प्राप्त होने वाले फल की प्राप्ति के अधिकारी बन गए। उनकी चतुर बुद्धि को देख कर शिव और पार्वती दोनों काफी खुश हुए और उन्होंने श्रीगणेश का विवाह कार्तिकेय से पहले करा दिया। जब तक स्वामी कार्तिकेय सम्पूर्ण पृथ्वी की परिक्रमा करके वापस आए, उस समय तक श्रीगणेश जी का विवाह विश्वरूप प्रजापति की पुत्रियों सिद्धि और बुद्धि के साथ हो चुका था, जिनसे उन्हें क्षेम तथा लाभ नामक दो पुत्र भी प्राप्त हो चुके थे।

यह सब देखकर स्वामी कार्तिकेय नाराज हो गए और क्रौंच पर्वत की ओर चले गए। उन्हें मनाने के लिए देवर्षि नारद को भेजा गया लेकिन वह नहीं माने। कार्तिकेय के चले जाने पर माता पार्वती भी क्रौंच पर्वत पहुंचीं। उधर भगवान शिव भी ज्योतिर्लिंग के रूप में वहां प्रकट हुए। तभी से वह मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के नाम से विख्यात हुए। मल्लिका माता पार्वती का नाम है, जबकि अर्जुन भगवान शंकर को कहा जाता है। इस कथा के अलावा और भी कई कथाएं हैं जो मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के बारे में कही जाती हैं।

**कैसे पहुंचे** – मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग आंध्र प्रदेश के श्रीसैलम में मौजूद है। आप सड़क, रेल और हवाई यात्रा के जरिए इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर सकते हैं। सड़क के जरिए श्रीसैलम पूरी तरह से जुड़ा हुआ है। विजयवाड़ा, तिरुपति, अनंतपुर, हैदराबाद और महबूबनगर से नियमित रूप से श्रीसैलम के लिए सरकारी और निजी बसें चलाई जाती हैं। श्रीसैलम से 137 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैदराबाद का राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट सबसे नजदीकी एयरपोर्ट है। यहां से आप बस या फिर टैक्सी के जरिए मल्लिकार्जुन पहुंच सकते हैं। यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन मर्कापुर रोड है जो श्रीसैलम से 62 किलोमीटर की दूरी पर है।

## एतिहासिक जंगेश्वर मंदिर

**प्राचीन व एतिहासिक शिव मंदिरों में से एक पलवल के जंगेश्वर मंदिर में श्रावण माह में हर सोमवार को हजारों श्रद्धालु आकर पूजा अर्चना करते हैं। इस मंदिर की मान्यता दूर-दूर तक है। पुराने शहर में स्थापित यह मंदिर लोगों की आस्था का मुख्य केंद्र माना जाता है। पड़वा से पूनो तक श्रावण माह में विशेष पूजा अर्चना की जाती है।**

### पौराणिक व एतिहासिक महत्व

मंदिर का पौराणिक व एतिहासिक महत्व है। यह इसके नाम से ही पता लगता है। मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। पहले इस मंदिर को विधर्मियों ने तोड़कर इसके ऊपर अन्य निर्माण कर दिए थे। फिर इसे काफी संघर्ष के बाद हासिल किया गया। खुदाई की गई तो प्राचीन शिवालय निकला। सन् 1802 में इस मंदिर का पुनः निर्माण किया गया।

### मूर्ति व मंदिर के निर्माण की विशेषता

मंदिर में स्थापित शिवलिंग पत्थर का है। मौजूदा लोगों में से किसी को नहीं मालूम कि यह कितना पुराना है। मंदिर के पुजारी राम कुमार बताते हैं कि यह कुदरती है। इस शिवालय का मुख्य मुख पूर्व की तरफ है। जबकि इसके दो अन्य दरवाजे पश्चिम व दक्षिण की तरफ खुलते हैं।

### मंदिर की स्थापत्य शैली

जंगेश्वर मंदिर की स्थापत्य शैली अन्य शिव मंदिरों की तरह ही है। इसका निर्माण कखैया ईटों व व चूने से किया गया है। बाद का सारा निर्माण बड़ी ईटों व सीमेंट का है। मंदिर की दीवारों पर देवी-देवताओं के चित्र बने हुए हैं।

### पूजा, दिनचर्या, सामग्री व आराधना

मंदिर में रोजाना पूजा अर्चना होती है। रोजाना सैकड़ों लोग पूजा अर्चना करते हैं। श्रावण माह में यह संख्या हजारों में पहुंच जाती है। मंदिर में मेले का सा माहौल रहता है। सोमवार को विशेष श्रृंगार किया जाता है। बेल पत्र, आक, धतूरे शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। पलवल से बाहर के श्रद्धालु भी पूजा अर्चना के लिए आते हैं।

श्रावण माह में प्रतिदिन शाम को दूध-दही, गंगाजल, शहद आदि से शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है। हर सोमवार को फूल बंगला सजाया जाता है। ठंडाई व खीर का प्रसाद बांटा जाता है। अब पुराना मंदिर तोड़कर नया मंदिर बनाया गया है। उनके अनुसार शिवलिंग पृथ्वी से निकलकर अपने आप स्थापित हुआ।

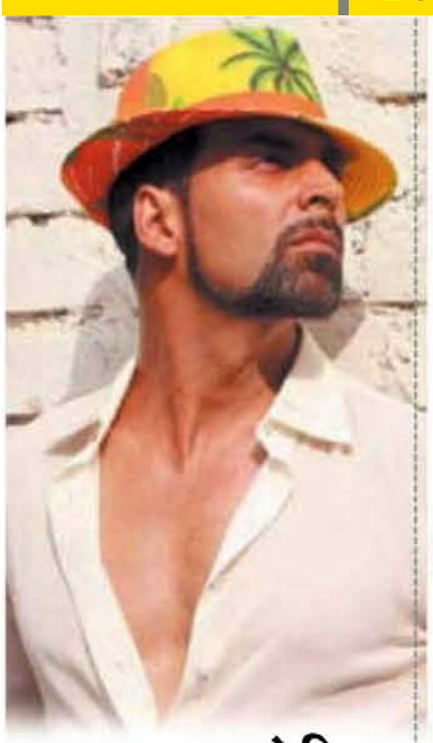

## अक्षय कुमार को किस बात का सताया खौफ, बोले- डरा हुआ हूं

बॉलीवुड की दो बिंदास अदाकाराएं- ट्विंकल खन्ना और काजोल अब पर्दे पर नहीं, बल्कि ओटीटी की दुनिया में एक साथ आ रही हैं। हालांकि इस बार न तो वो किसी फिल्म में अभिनय कर रही हैं और न ही किसी सीरीज में साथ नजर आएंगी, बल्कि दर्शकों को एक नए और अनोखे टॉक शो से दोनों मिलकर एंटरटेन करते हुए नजर आएंगी। बस इसी बात से खिलाड़ी कुमार को डर लगा रहा है। क्या है पूरा मामला, चलिए आपको बताते हैं। एक साथ आ रहीं काजोल और ट्विंकल अक्षय कुमार की पत्नी ट्विंकल खन्ना और अजय देवगन की पत्नी काजोल दोनों ही एक समय बॉलीवुड की चर्चित हीरोइनों में रही हैं। हालांकि अब ये दोनों अभिनेत्रियां टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' के जरिए होस्ट की भूमिका में दिखने के लिए तैयार हैं। प्राइम वीडियो ने दोनों के पोस्टर को रिलीज भी कर दिया है। अब इनके पोस्टर पर अक्षय कुमार का भी रिएक्शन आ गया है।

### अक्षय कुमार का रिएक्शन

खिलाड़ी कुमार ने काजोल और ट्विंकल खन्ना के इस पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए अपने डर का जिक्र किया है। अब ये तो हर कोई जानता है कि काजोल और ट्विंकल खन्ना दोनों अपनी-अपनी बात बड़ी ही बेबाकी से रखती हैं, ऐसे में टॉक शो में भी काफी कुछ धमाकेदार होने की उम्मीद है। बस इसी बात को सोचकर अक्षय ने लिखा है- दोनों को साथ देखकर ही डर लग रहा है, शो में क्या होगा सोच नहीं सकता।

### प्राइम वीडियो पर होगा स्ट्रीम

इस शो का निर्माण बनिजेय एशिया द्वारा किया जा रहा है, जो पहले भी कई मशहूर शो और रियलिटी फॉर्मेट्स ला चुका है। इसे जल्द ही प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया जाएगा। इस शो की एक और खासियत है इसकी गेस्ट लिस्ट, जिसमें बॉलीवुड के बड़े नाम शामिल होंगे। हर एपिसोड में कोई न कोई चर्चित चेहरा शो का हिस्सा बनेगा और दर्शकों को मिलेगा एक बेहद मनोरंजक और बिंदास बातचीत का अनुभव।

## रणवीर सिंह की अगली फिल्म में दिखेंगी साउथ एक्ट्रेस श्रीलीला

रणवीर सिंह के खाते में अभी कई फिल्में हैं। स्पु र एक मेगा प्रोजेक्ट बॉबी देओल के साथ भी है। इस फिल्म में एक साउथ की हसीना की एंट्री हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... श्रीलीला, रणवीर और बॉबी के साथ एक बड़े प्रोजेक्ट से जुड़ चुकी हैं। खास बात ये है है कि तीनों ही एक्टर्स अपने किरदारों के लिए खुद को पूरी तरह से ढलने में जुटे हैं। इस फिल्म की डिमांड ही ऐसी है कि इसमें उनसे वो जोश और बदलाव देखने को मिलेगा, जो अब तक कभी नहीं देखा गया। हालांकि, फिल्म का टाइटल अभी तक रिवील नहीं किया गया है और ना ही यह बताया गया है कि इसका निर्देशन कौन कर रहा है। बता दें कि श्रीलीला जल्द ही साउथ फिल्मों से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। वह अपनी पहली हिंदी फिल्म कार्तिक आर्यन के साथ कर रही हैं जिसका टाइटल रिवील नहीं हुआ है लेकिन माना जा रहा है कि यह आशिकी 3 है। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग बसु कर रहे हैं। इसके अलावा वह जूनियर पर भी काम कर रही हैं। वहीं रणवीर जल्द ही फिल्म डॉन 3 में भी नजर आएंगे। फिल्म का टाइटल अभी तक रिवील नहीं किया गया है

## शंकर- द रिवॉल्यूशनरी मैन, मेरे जीवन का टर्निंग पॉइंट

अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर जल्द ही एक नई वेब सीरीज शंकर- द रिवॉल्यूशनरी मैन में दिखेंगी। उन्होंने इस सीरीज को अपने जीवन का टर्निंग पॉइंट बताया है। एक इंटरव्यू में शिल्पा शिरोडकर ने बताया कि इस प्रोजेक्ट ने उन्हें न केवल व्यक्तिगत बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी बदल दिया। शिल्पा ने कहा, मैं हमेशा से आध्यात्मिक रही हूं। मुझे नई चीजें सीखना, सुनना और ज्ञान अर्जित करना पसंद है। जब यह सीरीज मेरे पास आई, तो मुझे लगा कि यह मेरे लिए जीवन बदलने वाला पल है। मैंने सोचा कि इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने से मुझे पेशेवर और व्यक्तिगत दोनों रूप से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

सीरीज में शिल्पा, महान संत और दार्शनिक आदि शंकराचार्य की मां आरंभा की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा, आदि शंकराचार्य की मां का किरदार निभाना मेरे लिए सम्मान की बात है। आदि शंकराचार्य की मां ने उनके जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह किरदार मेरे लिए बेहद मायने रखता है। इस किरदार को जीना मेरे लिए विशेष अनुभव भरा रहा। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रोजेक्ट में काम करना उनके लिए रोजाना सीखने के अवसर जैसा रहा, इससे उन्हें काफी कुछ नया सीखने को मिला। उन्होंने बताया, राजर्षि भूपेंद्र मोदी जी जैसे प्रेरणादायक व्यक्तित्व के साथ काम करना और स्क्रिप्ट पढ़ने से लेकर सेट पर बातचीत तक, हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। यह मेरे लिए विकास का शानदार मौका है। शंकर- द रिवॉल्यूशनरी मैन आदि शंकराचार्य के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरित अपकमिंग सीरीज है। मोदी स्टूडियोज और राजर्षि भूपेंद्र मोदी ने इस सीरीज का निर्माण किया है। इस सीरीज में शिल्पा शिरोडकर के साथ अभिषेक निगम मुख्य भूमिका में हैं, जबकि राजेश श्रृंगारपुरे, फरनाज शेट्टी, रति पांडे, और मनोज जोशी जैसे कलाकार भी शामिल हैं। शिल्पा शिरोडकर 90 के दशक में गोपी किशन, आंखें, और खुदा गवाह जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। शिल्पा बिग बॉस के 18वें सीजन का भी हिस्सा रहीं।

## युजवेंद्र चहल के साथ डेटिंग रूमर्स के बीच महवश ने किया पोस्ट

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंस, आरजे और मॉडल महवश का नाम काफी वक्त से क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों को कई मौकों पर साथ में स्पॉट किया गया है। हाल ही में लंदन में भी दोनों साथ-साथ घूमते दिखे। इसका संकेत इन दोनों के सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मिला। इनके कथित अफेयर की खबरों के बीच शादी तक के दावे किए जा रहे हैं, जिन पर महवश ने रिएक्ट किया है।

### सोशल मीडिया पर रखा शादी का प्रस्ताव

महवश ने अपनी शादी के दावों वाली खबरों पर काफी मजेदार अंदाज में प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आज मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने दिलकश फोटोज शेयर की हैं, जिनमें व्हाइट कलर के गाउन में प्रिंसेस लुक में दिख रही हैं। इसके साथ लिखा है, कुछ न्यूज चैनल ने दावा किया कि 31 जून को मेरी शादी है। ये फोटोज उसकी हैं। बस दूल्हा भाग गया। करेगा कोई मुझसे शादी? इसके साथ महवश ने हंसने वाले इमोजी बनाई हैं। यूजर्स ने पूछे दिलचस्प सवाल महवश के पोस्ट पर यूजर्स के दिलचस्प कमेंट्स आ रहे हैं। सिर्फ उनके फैंस ही नहीं, सेलेब्स भी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। फलक नाज ने कमेंट किया है, गॉर्जियस। आरजे करिश्मा ने लिखा है, सुंदरी। एक यूजर ने लिखा, लव मैरिज और

अरेंज मैरिज? एक अन्य यूजर ने लिखा, 31 जून कभी आती है क्या? लव मैरिज करेंगी महवश एक यूजर ने महवश से जब पूछा कि वे लव मैरिज करेंगी या अरेंज? इस पर महवश ने जवाब दिया, लव मैरिज। एक जाना पहचाना नालायक, अंजान नालायक से बेहतर होता है।

### धनश्री वर्मा से तलाक के बाद जुड़ा महवश से नाम

धनश्री वर्मा के साथ तलाक के बाद युजवेंद्र चहल का नाम महवश के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि, डेटिंग की कथित खबरों पर अब तक चहल और महवश दोनों ने चुप्पी साध रखी है। हालांकि, अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दोनों अप्रत्यक्ष रूप से यह संकेत तो देते रहते हैं कि इनके बीच नजदीकियां हैं।

## कम फिल्में करके भी खुश हैं विद्या?

इन दिनों विद्या बालन को उनके फैंस बड़े पर्दे पर कम और इंस्टाग्राम रील पर ज्यादा देख रहे हैं। रील बनाने के प्रोसेस को भी विद्या बालन एंज्वॉय कर रही हैं। हालिया एक इंटरव्यू में अपने करियर में लिए गए इस ब्रेक के बारे में विद्या ने कई सारी बातें साझा की हैं।

### विद्या बालन ने खुद को आशावादी इंसान बताया

बातचीत में विद्या बालन ने अपने मौजूदा करियर फेज को लेकर बात की है। वह कहती हैं, 'मैं बहुत ही ज्यादा उम्मीद रखने वाली इंसान हूं, मैं काफी आशावादी हूं। मुझमें बहुत कॉन्फिडेंस है। मैंने अपनी पूरी एबिलिटी के साथ काम किया है। लोगों ने मुझे कहा कि खुद पर काम करना चाहिए, मुझे अपना वजन कम करना चाहिए। मैंने लोगों के सजेशन को सुना, इन बातों ने मुझे आगे बढ़ने में मदद की। मुझे अब भी लीड रोल मिल रहे हैं, मैं किसी भी तरह की इनसिक्योरिटी से परेशान नहीं हूं।' अपने अटूट आत्मविश्वास के बल पर ही उन्होंने वर्षों तक एक ऐसे उद्योग में काम किया है जहाँ अक्सर दिखावे को लेकर जुनून सवार रहता है। और अब, वर्षों में पहली बार, विद्या ने कहा कि वह तनाव-मुक्त दौर का आनंद ले रही हैं। अपने जीवन में पहली बार, मैं तनाव का अनुभव नहीं कर रही हूँ। जाने-अनजाने, हम बहुत तनाव से गुज़रते हैं। मैं इस दौर का आनंद ले रही हूँ। मैं पटकथाएँ पढ़ रही हूँ, लोगों से मिल रही हूँ, और मैंने दो फ़िल्में तय कर ली हैं। विद्या ने कहा, दुर्भाग्य से, मैं अभी इस बारे में बात नहीं कर पा रही हूँ। पिछले साल विद्या बालन फिल्म 'भूल भुलैया 3' में नजर आई। इस साल वह रितेश देशमुख के साथ एक फिल्म 'राजा शिवाजी' कर रही हैं। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराजा पर आधारित है।

## एक बाइक का लालच मुझे ग्लैमर की दुनिया में ले आया... पर मैं बिग बॉस कभी ना करूं

छोटे पर्दे पर रोडीज के 20 सीजन कर चुके रणविजय सिंघा एक समय आर्मी में जाना चाहते थे। उनकी पांच पुश्तों ने सेना में रहकर देश की सेवा की है, मगर फिर बाइक का जुनूनी शौक उन्हें ग्लैमर जगत में ले आया। इन दिनों वे चर्चा में हैं छोटे पर्दे के अपने नए रिएलिटी शो छोरियां चली गांव के कारण। उनसे खास बातचीत।

**आपकी पांच पुश्तों ने आर्मी में रह कर देश की सेवा की है और आपने भी खुद सेना में जाने के लिए रिटन एग्जाम दे दिया था, मगर फिर आप ग्लैमर की गलियों में कैसे मुड़ गए?**

मैं तो आर्मी के लिए रिटन एग्जाम भी क्लियर कर चुका था। मैं भोपाल में सर्विसेज सिलेक्शन बोर्ड की तैयारी कर रहा था। मेरे पिता, दादा, चाचा, नाना सभी फौज में थे। तो जब मैंने आर्मी का ये फाइनल एग्जाम क्लियर कर लिया और खुद को साबित कर दिया कि मैं सेना में जाने के योग्य हूं, तो तब मेरे पास वो चॉइस थी कि मैं अपने करियर को अपने हिसाब से आगे बढ़ाऊं। मुझे मोटरसाइकिल चलानी थी, बास्केटबॉल खेलना था और एडवेंचर स्पोर्ट्स का हिस्सा बनना था। उस वक्त मुझे लगा कि अपने ये सारे शौक मैं फौज में पूरे कर सकता हूं। फिर बाइक जीतने का लालच मुझे यहां लाया। रोडीज मेरे लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुआ, क्योंकि मुझे लगा कि जो मैं सेना से चाहता था, वो मुझे बाहर भी मिल रहा है। मैंने घर में इस बात को लेकर चर्चा की, काफी गहरा डिस्कशन हुआ और निष्कर्ष ये निकला कि मुझे ग्लैमर के क्षेत्र को एक साल देना होगा, उस बीच कुछ हो गया तो ठीक है वरना फौज तो है ही। फिर क्या था, मैं रोडीज का विनर बनने के बाद मेरी गाड़ी चल पड़ी।

**एक जमाना था जब आप कंटेस्टेंट थे और फिर आप कई शोज के होस्ट और जज बने, तो उस पार से इस पार आने का आपका अनुभव कैसा रहा? के आप बिग बॉस जैसे रिएलिटी शोज का हिस्सा बनना चाहेंगे?**

आप जब कंटेस्टेंट होते हैं, तो आप पर ज्यादा जिम्मेदारी नहीं होती। आपको खुद पर ध्यान देना होता है, मगर जज या होस्ट के रूप में पूरे शो की जिम्मेदारी आपकी होती है। मैं तो रोडीज में एक ही बार प्रतियोगी था और उसके बाद तो मेरा रोल बदल गया। हालांकि मुझे कई ऐसे शोज के ऑफर आए, जहां मुझे कंटेस्टेंट बनना था, मगर मैं उनका हिस्सा नहीं बना। । मुझे लगता है कि कंटेस्टेंट बनने से मेरी होस्ट की पोजीशन डाइल्यूट हो सकती है। मैं ऐसे शोज करना चाहता हूं, जिससे मेरी सेल्फ ग्रोथ हो। जैसे मैंने जंगल सफारी का एक शो किया था, जिसमें मैं 8 जंगलों में घूमने का मौका मिला था। मैंने उस शो से काफी कुछ सीखा था और अब तो वैसे भी मुझे अपने बच्चे पालने हैं।

**काम और परिवार के बीच संतुलन कैसे रखते हैं?**

मैं परिवार को बहुत महत्व देता हूं। मेरी प्राथमिकताएं साफ हैं। मुझे पता है कि मुझे खुशी कहां से मिल सकती है? वो तो परिवार से ही मिलेगी। मेरा काम मेरा पेशा है और अगर मैं किसी खदान में काम कर रहा होता, अब भी मैं अपने परिवार और एडवेंचर को अहमियत दे रहा होता। मैं अपने बच्चों की सही परवरिश करना चाहता हूं। उनके साथ वक्त बिताना चाहता हूं। मेरे बच्चों को मेरे प्रोफेशन के बारे में ज्यादा पता नहीं है। वे इतना जानते हैं कि डैड बाइक चलाने जाते हैं और टीवी पर दिखते हैं। आप हीरो हो या क्रिमिनल आपके बच्चे आपको पिता के रूप में ही देखेंगे। आपके बच्चे आपको बिना किसी एजेंडा के प्यार करते हैं, इसीलिए बच्चों का प्यार इतना क्रेजी होता है। वे आपको आपकी हैसियत से परे निस्वार्थ प्रेम करते हैं। मुझे तो अपना परिवार और बच्चे चाहिए।

**आपसे जुड़ा थप्पड़ कांड रहा हो या रिया चक्रवर्ती वाला विवाद, आपकी बेबाक बयानबाजी का आपको नुकसान उठाना पड़ता है?**

मुझे इस दुनिया में फर्क पड़ता है, अपने परिवार, माता-पिता और बच्चों से। बाकी मैं दूसरों के बारे में ज्यादा नहीं सोचता। मुझे जो सही लगता है, मैं बोलता हूं। अपना स्टैंड रखता हूं। अब सच और गलत का तो कोई जजमेंट नहीं दे सकता, क्योंकि एक का सच दूसरे के लिए गलत हो सकता है। मगर मुझे क्या लगता है, ये बोलने का हक तो मुझे है और मैं वो बोलता हूं।

**रोडीज़ के बीस सीजन करने के बाद आप इस शो को करने के लिए क्यों प्रेरित हुए?**

मुझे इस शो का फॉर्मेट बहुत पसंद आया। असल में ये शो मराठी में हिट रहा है। शहर में आधुनिक सुख-सुविधाओं की आदी लड़कियों को असली गांव के बेसिक माहौल में ले जाया जाए। जहां पर इन लड़कियों को एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा के बजाय खुद सर्वाइव करना है। शहर में तो चाहे ऐसी हो या कैब आपके एक बटन या कॉल पर है, मगर गांव में तो आपको पानी तक के लिए पनघट जाना पड़ जाए। आज जब हम प्रकृति से जुड़े रहने की बात किस्से-किताबों में पढ़ते हैं, तो ये सारी चीजें हमारे शो में हैं। मेरे लिए इन छोरियों अर्थात लड़कियों को उस माहौल में डालना बड़ा दिलचस्प रहा।

# ‘यूपी में ढपोरशंखों की सरकार’

## ‘आप’ ने चलाया स्कूल बचाओ आंदोलन : राकेश यादव

**नोएडा ( चेतना मंच )।** उत्तर प्रदेश में 27000 सरकारी स्कूलों को बंद करने के

मुद्दे पर योगी सरकार के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने ‘ढपोरशंखों को जगाओ शंख बजाओ, स्कूल बचाओ अभियान’ चलाकर स्थान हल्दौनी नोएडा पर जोरदार विरोध प्रदर्शन दर्ज किया।

दिल्ली से करौल बाग के विधायक विशेष रवि ने विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा कि योगी सरकार 27000 शराब की दुकाने खोलकर 27000 सरकारी स्कूलों को बंद करने जा रही है, आम आदमी पार्टी सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने देगी, इसलिए आप प्रदेश प्रभारी व सांसद संजय सिंह के आवाहन पर योगी सरकार के इस तुगलकी फरमान के खिलाफ सड़कों पर संघर्ष करने उतर आई है। आम आदमी पार्टी इसके लिए प्रतिबद्ध है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा।

जिला महा सचिव कैलाश शर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश हाईकोर्ट की डबल बेंच ने उन स्कूलों को बंद करने की प्रक्रिया पर फिलहाल रोक लगा दी है, जिन पर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। लेकिन यह केवल आंशिक राहत है। यदि जनता की आवाज़ नहीं उठी तो सरकार दोबारा इन्हें बंद करने की कोशिश करेगी।

इस मौके पर जिला प्रभारी कमांडो अशोक ने कहा कि आम आदमी पार्टी इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी और उत्तर प्रदेश के बच्चों के भविष्य को बचाने के लिए तब तक संघर्ष करेगी। विरोध प्रदर्शन में प्रमुख रूप से दिलदार अंसारी,राहुल सेठ,अनिल चेची ,नीरज छोकर,कैप्टन बिजेंद्र,जीतू पल्ला, सतीश गौतम, उमेश पंडित, विक्की पल्ला, उमंग , राम गुप्ता सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

# पारंपरिक रंग में मनाई हरियाली तीज

**नोएडा ( चेतना मंच )।** भारत के प्रमुख पर्वों में से एक हरियाली तीज का पर्व लोटस ब्लू वर्ड सेक्टर-100 में बड़े ही हर्षोल्लास और पारंपरिक रंग में मनाया गया। इस विशेष अवसर पर सोसाइटी में महिलाओं ने हरियाली रंग के पारंपरिक परिधान पहनकर पर्व की शोभा बढ़ाई। महिलाओं ने सुंदर-सुंदर मेहंदी के डिज़ाइनों से अपने हाथ सजाए और तीज गीतों पर पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत कर समां बाँध दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ खाने-पीने की भी विशेष व्यवस्था की गई थी, जिसमें तरह-तरह के व्यंजन, मिठाइयाँ और देसी पकवानों ने सबका मन मोह लिया। लोकगीत, नृत्य, और हरियाली से भरपूर वातावरण ने सभी को एक सुखद और पारंपरिक अनुभव दिया।

इस सफल आयोजन में लोटस ब्लू वर्ड की सांस्कृतिक समिति, वर्तमान AOA और निवासियों ने भरपूर योगदान दिया, जिनके सामूहिक प्रयासों से यह कार्यक्रम अत्यंत भव्य और आनंदमय रहा।

कल्चरल कमिटी की ओर से इस भव्य आयोजन के लिए सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया और भविष्य में भी इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखने की बात कही।

# लुलु बने फुटबॉल एसोसिएशन के रीजनल फिनटेक पार्टनर

**नोएडा ( चेतना मंच )।** लुलु फॉरेक्स और लुलु फिनसर्व ने अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) एएफए की आधिकारिक पार्टनर बनेंगी। भारत में लुलु फॉरेक्स और फिनसर्व मिलकर इस साझेदारी को निभाएँगे, जबकि लुलु एक्सचेंज और लुलु मनी जैसे ब्रांड्स खाड़ी देशों, मलेशिया, फिलीपींस और सिंगापुर में एएफए का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह साझेदारी 2026 के फीफा वर्ल्ड कप तक चलेगी और इसकी घोषणा दुबई में अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी की मौजूदगी में हुई।

आगामी महीनों में ग्राहकों के लिए खास प्रमोशन्स, प्रतियोगिताएं, मर्चेंडाइज और खिलाड़ियों से मिलने जैसे रोमांचक अवसर पेश किए जाएंगे। एएफए प्रमुख क्लाउडियो तापिया और लुलु के एमडी अदीब अहमद ने इस साझेदारी को भारतीय समुदाय और फुटबॉल प्रेमियों के लिए एक खास तोहफा बताया।

के साथ साझेदारी कर भारत में उसके रीजनल फिनटेक पार्टनर बनने की घोषणा की है। यह करार लुलु फाइनेंशियल होल्डिंग्स की वैश्विक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत उसकी विभिन्न इकाइयाँ 10 देशों में

# अहमनाबाद में महिलाओं ने मनाई हरियाली तीज

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** गाँव अहमनाबाद में हरियाली तीज का पर्व धूमधाम से मनाया गया। महिलाओं ने सुंदर वस्त्र पहनकर और श्रृंगार करके कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने भगवान शिव की पूजा की, झूला झूला और विभिन्न सांस्कृतिक तरीके से अपने इस पर्व को बहुत से मिल झूलकर मनाया।

इस कार्यक्रम का आयोजन मीनू भाटी, मंजू भाटी, संजना भाटी, संगीता भाटी ने मिल कर किया। इस कार्यक्रम में सभी उम्र के बच्चों ने बड़ों ने बुजुर्ग महिलाओं ने सब ने हिस्सा लिया।

# लाफ्टर क्लब ने मनाया हरियाली तीज कार्यक्रम

**नोएडा ( चेतना मंच )।** हरियाली तीज, एक जीवंत और आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण त्योहार और सावन के सबसे लोकप्रिय त्योहारों में से एक, जेवीसीसी लाफ्टर क्लब, नोएडा के सदस्यों द्वारा मनाया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत अशोका कुमारी के सावन मधुर गीत से हुई। डोगरा ने बॉलीवुड गीतों के साथ महत्वपूर्ण सदस्यों का वर्णन किया। यह बहुत ही हास्यप्रद और मनोरंजक था।

सोनिया, मनोरमा, किरण, मंजू, वीणा, अनीता, चंचल, सरिता, पूनम, मधु द्वारा समूह नृत्य और आर्या कुमारी द्वारा मार्मिक भजन ने कार्यक्रम का मन मोह लिया। तीज की विशेष मिठाई, घेवर सभी को दी गई।

# भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी मोदी के ‘मन का बात’

**नोएडा ( चेतना मंच )।** प्रधानमंत्री का ‘मन का बात’ कार्यक्रम का आयोजन सिटी पब्लिक स्कूल शक्ति केन्द्र की बूथ संख्या 154, 155, 157 व 160 ने सम्मिलित कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें लगभग 22-23 सदस्यों का प्रतिनिधित्व था। मुख्य अतिथि गौतमबुद्धनगर के लोकप्रिय सांसद डा0 महेश शर्मा के जन प्रतिनिधि व पूर्व जिला महामंत्री संजय बाली थे।

यह कार्यक्रम सेक्टर प्रभारी नमित गौतम के आवास ष्ट-612, प्रतीक फैडोरा में आयोजित हुआ।

बूथ अध्यक्ष रणवीर सिहं चौहान, नरेन्द्र जोशी, जीवन धर जैन, देवेन्द्र साहू व पोलिंग स्टेशन प्रमुख सुशील दीप महेश्वरी, पोलिंग स्टेशन सहसंयोजक अविनाश चन्द्र विज, श्रीमति छाया अवस्थी, हिमांशु डागर, आशा राम बुदानी, अमर सिंह भंडारी, लोकेश त्रिपाठी, जीतेन्द्र मिश्रा, डा0 चमन लाल वर्मा, राणा प्रताप सिंह, अनुज चौधरी, अर्पित गोयल, रिषभ गुप्त, रचिन गुप्ता, अभिषेक सिंह आदि मौजूद रहे।

सभी सेक्टर 61 के सदस्यों ने मिलकर 15 अगस्त से पहले सेक्टर के सभी पार्कों व सार्वजनिक स्थलों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाने का संकल्प लिया ।

# लिबर्टी शूज़ का 437वां एक्सक्लूसिव शोरूम अब नोएडा में

**नोएडा ( चेतना मंच )।** भारत की अग्रणी फुटवियर कंपनी लिबर्टी शूज़ लिमिटेड ने नोएडा सेक्टर-49 में अपने 437वें एक्सक्लूसिव शोरूम का भव्य शुभारंभ किया।

इस अवसर पर कंपनी के सीओओ रमन बंसल के सुपुत्र एवं भावी निदेशक रुचिर बंसल ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत फीता काटकर शोरूम का शुभारंभ किया। इस मौके पर रामनाथ वर्मा, हेड - रिटेल, लिबर्टी शूज़ लिमिटेड, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अमेरिका से बिजनेस ग्रेजुएशन कर चुके रुचिर बंसल ने कहा कि लिबर्टी हर आयु वर्ग के लिए जूते उपलब्ध कराता है—स्कूल शूज़, स्पोर्ट्स शूज़, फॉर्मल वियर, स्लिप-ऑन, हाई-फैशन शूज़ और बहुत कुछ। उन्होंने कहा कि लिबर्टी की योजना वर्ष-2028 तक पूरे देश में 1000 शोरूम खोलने की है।

73 वर्ष पूर्व हरियाणा के करनाल से शुरू हुआ लिबर्टी आज दुनिया के प्रमुख फुटवियर ब्रांड्स में शुमार है। कंपनी के पास इस समय 436 एक्सक्लूसिव शोरूम, 225 वितरक, और 10,000+ मल्टी-ब्रांड आउटलेट्स का सशक्त नेटवर्क है।